

भाग—III**हरियाणा सरकार**

विकास तथा पंचायत विभाग

अधिसूचना

दिनांक 16 सितम्बर, 2016

संख्या सा०का०नि० 24/संवि०/अनुच्छेद 309/2016.— भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, हरियाणा विकास तथा पंचायत विभाग (ग्रुप ख) सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती तथा सेवा शर्तों को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

भाग I सामान्य

1. (1) ये नियम हरियाणा विकास तथा पंचायत विभाग (ग्रुप ख) सेवा नियम, 2016, कहे जा सकते हैं। संक्षिप्त नाम तथा लागू होना।
- (2) ये नियम निदेशालय तथा श्रेणीय कार्यालयों, जिसमें अभियान्त्रिकी विंग, राजीव गांधी राज्य/क्षेत्रीय पंचायती राज तथा सामुदायिक विकास संस्थान भी शामिल हैं, के श्रेणी ख के अधिकारियों को लागू होंगे।
2. इन नियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,— परिभाषाएं।
 - (क) “आयोग” से अभिप्राय है, हरियाणा लोक सेवा आयोग;
 - (ख) “सीधी भर्ती” से अभिप्राय है, कोई भी नियुक्ति, जो सेवा में से पदोन्नति या भारत सरकार या किसी राज्य सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी अधिकारी के स्थानान्तरण से अन्यथा की गई हो;
 - (ग) “सरकार” से अभिप्राय है, प्रशासनिक विभाग में हरियाणा राज्य की सरकार;
 - (घ) “संस्था” से अभिप्राय है,—
 - (i) हरियाणा राज्य में लागू विधि द्वारा स्थापित कोई संस्था; या
 - (ii) इन नियमों के प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त कोई अन्य संस्था;
 - (ङ) “मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय” से अभिप्राय है,—
 - (i) भारत में विधि द्वारा निगमित कोई विश्वविद्यालय; या
 - (ii) कोई अन्य विश्वविद्यालय जो इन नियमों के प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय के रूप में घोषित किया गया हो; तथा
 - (च) “सेवा” से अभिप्राय है, हरियाणा विकास तथा पंचायत विभाग (ग्रुप ख) सेवा।

भाग II सेवा में भर्ती

3. सेवा में, इन नियमों के परिशिष्ट क में दर्शाए गए पद शामिल होंगे: पदों की संख्या तथा स्वरूप।
परन्तु इन नियमों की कोई भी बात ऐसे पदों की संख्या में वृद्धि या कमी करने या विभिन्न पदनामों और वेतनमानों वाले नये पद स्थाई अथवा अस्थायी रूप से बनाने के सरकार के अन्तर्निहित अधिकार पर प्रभाव नहीं डालेगी।
4. (1) कोई भी व्यक्ति, सेवा में किसी पद पर तब तक नियुक्त नहीं किया जायेगा, जब तक वह निम्नलिखित न हो,— सेवा में नियुक्त उम्मीदवारों की राष्ट्रीयता, अधिवास तथा चरित्र।
 - (क) भारत का नागरिक; या
 - (ख) नेपाल की प्रजा; या
 - (ग) भूटान की प्रजा:

परन्तु प्रवर्ग (ख) या (ग) से संबंधित व्यक्ति ऐसा व्यक्ति होगा, जिसके पक्ष में सरकार द्वारा पात्रता का प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो।
- (2) कोई भी व्यक्ति, जिसकी दशा में पात्रता का प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक हो, आयोग द्वारा संचालित परीक्षा या साक्षात्कार के लिए प्रविष्ट किया जा सकता है, किन्तु नियुक्ति का प्रस्ताव उसे सरकार द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किए जाने के बाद ही दिया जा सकता है।
- (3) कोई भी व्यक्ति, सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती द्वारा तब तक नियुक्त नहीं किया जायेगा, जब तक वह अन्तिम उपस्थिति के विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय या संस्था, यदि कोई हो, के प्रधान शैक्षणिक अधिकारी से चरित्र प्रमाण-पत्र और दो ऐसे अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों से, जो उसके संबंधी न हों, किन्तु उसके व्यक्तिगत जीवन में उससे भली-भांति परिचित हों, और उसके विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय या संस्था से सम्बन्धित न हों, उसी प्रकार के प्रमाण-पत्र प्रस्तुत न करे।

- आयु। 5. कोई भी व्यक्ति सेवा में सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त नहीं किया जायेगा जो आयोग को आवेदन प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि को इक्कीस वर्ष से कम और बयालीस वर्ष से अधिक की आयु का हो।
- नियुक्ति प्राधिकारी। 6. सेवा में पदों पर नियुक्तियां सरकार द्वारा की जायेगी।
- योग्यताएं। 7. कोई भी व्यक्ति सेवा में तब तक नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक वह सीधी भर्ती की दशा में, इन नियमों के परिशिष्ट ख के खाना 3 में तथा सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्ति की दशा में, पूर्वोक्त परिशिष्ट के खाना 4 में निर्दिष्ट योग्यताएं तथा अनुभव न रखता हो :
- परन्तु सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति की दशा में अनुभव सम्बन्धी योग्यताओं में आयोग के विवेक पर, यदि अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों, अन्य पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों और शरीरिक रूप से विकलांग प्रवर्गों से सम्बन्धित अपेक्षित अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों की पर्याप्त संख्या उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए उपलब्ध न हो, तो पचास प्रतिशत सीमा तब ढील दी जा सकेगी, ऐसा करने के लिए कारण अभिलिखित किए जाएंगे:
- परन्तु यह और कि उप मण्डल अभियन्ता की दशा में, कोई भी व्यक्ति सेवा में तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा जब तक वह,—
- (क) सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति की दशा में, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् द्वारा अनुमोदित किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से या किसी संस्था से सम्बन्धित इंजीनियरिंग शिक्षण में उपाधि न रखता हो। अपेक्षित योग्यताएं उम्मीदवार द्वारा आयोग को आवेदन प्रस्तुत करने के अन्तिम दिन को या से पूर्व अधिकृत होगी:
- परन्तु किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या संस्था से पत्राचार या दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से प्राप्त किसी उपाधि पर सेवा में भर्ती के किसी ढंग द्वारा नियुक्ति हेतु विचार नहीं किया जाएगा। प्रदान की गई उपाधि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् द्वारा अनुमोदित होनी चाहिए:
- परन्तु यह और कि सिविल संवर्ग के लिए नियुक्त किए जाने वाले उम्मीदवारों को सिविल इंजीनियरिंग योग्यता से भर्ती किया जाएगा, चूंकि इलैक्ट्रीकल संवर्ग में भर्ती किए जाने वाले उम्मीदवारों को इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग में योग्यता रखनी होगी;
- (ख) उपाधि धारक कनिष्ठ अभियन्ताओं, परिमण्डल मुख्य प्रारूपकारों, मुख्य प्रारूपकारों, प्रारूपकारों में से पदोन्नति द्वारा नियुक्ति की दशा में, उम्मीदवार या तो खण्ड (क) में यथा उपबन्धित योग्यताएं रखता हो या इंजीनियर संस्था की सहयुक्त सदस्यता परीक्षा का भाग क तथा ख उत्तीर्ण किया हो।
- अयोग्यताएं। 8. कोई भी व्यक्ति,—
- (क) जिसने जीवित पति/पत्नी वाले व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह की संविदा कर ली है; या
- (ख) जिसने पति/पत्नी के जीवित होते हुए, किसी अन्य व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह की संविदा कर ली है,
- “सेवा में किसी पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा”:
- परन्तु यदि सरकार की संतुष्टि हो जाये कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू स्वीय विधि के अधीन ऐसा विवाह अनुज्ञेय है तथा ऐसा करने के अन्य आधार भी हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के लागू होने से छूट दे सकती है।
- भर्ती का ढंग। 9. (1) सेवा में भर्ती निम्नलिखित ढंग से की जाएगी,—
- (क) उपमण्डल अभियन्ता (सिविल) की दशा में,—
- (i) 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा; तथा
- (ii) 50 प्रतिशत निम्न अनुसार पदोन्नति द्वारा;—
- (क) 32 प्रतिशत उपाधि प्रमाण—पत्र धारक कनिष्ठ अभियन्ताओं (सिविल) में से पदोन्नति द्वारा;
- (ख) 6 प्रतिशत उपाधि प्रमाण—पत्र धारक परिमण्डल मुख्य प्रारूपकारों (सिविल)/मुख्यप्रारूपकारों (सिविल)/ प्रारूपकारों (सिविल) में से पदोन्नति द्वारा;
- (ग) 11 प्रतिशत उपाधि धारक कनिष्ठ अभियन्ताओं (सिविल) में से पदोन्नति द्वारा
- (घ) एक प्रतिशत उपाधि धारक परिमण्डल मुख्य प्रारूपकारों (सिविल), मुख्यप्रारूपकारों (सिविल) तथा प्रारूपकारों (सिविल) में से पदोन्नति द्वारा;

टिप्पण.—यदि कोई रिक्ति होती है तथा परिशिष्ट ख में विहित योग्यताएं रखने वाला प्रारूपकार सेवा का कोई सदस्य तुरन्त प्राप्य नहीं है, तो पद अपेक्षित योग्यताएं रखने वाले कनिष्ठ अभियन्ता को प्राप्य होगा तथा आगामी प्राप्य पद परिशिष्ट ख में विहित योग्यताएं रखने वाले प्रारूपकार सेवा के सदस्य को प्राप्य होगा। किन्तु ऐसा करते हुए इस संवर्ग के लिए एक प्रतिशत कोटा किसी भी रीति में एक प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

- (ख) उपमण्डल अभियन्ता (इलैक्ट्रीकल) की दशा में,—
- (i) 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा; तथा
 - (ii) 50 प्रतिशत निम्न अनुसार पदोन्नति द्वारा,—
 - (क) 35 प्रतिशत कनिष्ठ अभियन्ताओं (इलैक्ट्रीकल उपाधि प्रमाण—पत्र धारक) में से पदोन्नति द्वारा;
 - (ख) 15 प्रतिशत कनिष्ठ अभियन्ताओं (इलैक्ट्रीकल) में से पदोन्नति द्वारा, जो किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग में उपाधि रखते हो;
- (ग) खण्ड विकास तथा पंचायत अधिकारी की दशा में,—
- (i) 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा; तथा
 - (ii) 50 प्रतिशत सामाजिक शिक्षा तथा पंचायत अधिकारियों में से पदोन्नति द्वारा ;
- (घ) प्राध्यापक (ग्रामीण विकास) की दशा में,—
- (i) सीधी भर्ती द्वारा; या
 - (ii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी अधिकारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा;
- (ङ) प्राध्यापक (प्रबन्धन तथा योजना) की दशा में,—
- (i) सीधी भर्ती द्वारा; या
 - (ii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी अधिकारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा;
- (च) प्राध्यापक (पंचायती राज) की दशा में,—
- (i) सीधी भर्ती द्वारा; या
 - (ii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी अधिकारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा;
- (छ) प्राध्यापक (वित्त प्रबन्धन) की दशा में,—
- (i) सीधी भर्ती द्वारा; या
 - (ii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी अधिकारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा;
- (ज) प्राध्यापक (स्वास्थ्य तथा स्वच्छता) की दशा में,—
- (i) सीधी भर्ती द्वारा; या
 - (ii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी अधिकारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा;
- (झ) प्राध्यापक (सूचना तथा प्रौद्योगिकी) की दशा में,—
- (i) सीधी भर्ती द्वारा; या
 - (ii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी अधिकारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा;
- (ञ) सहायक निदेशक की दशा में,—
- (i) अधीक्षकों (मुख्यालय) में से पदोन्नति द्वारा; या
 - (ii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी अधिकारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा;
- (ट) अधीक्षक (मुख्यालय) की दशा में,—
- (i) उप-अधीक्षकों (मुख्यालय) में से पदोन्नति द्वारा; या
 - (ii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी अधिकारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा;

- (ठ) अधीक्षक (क्षेत्रीय) की दशा में,—
- उप-अधीक्षकों (क्षेत्रीय) में से पदोन्नति द्वारा; या
 - किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी अधिकारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा;
- (ण) अनुसन्धान अधिकारी की दशा में,—
- सीधी भर्ती द्वारा;
 - अन्वेषकों में से पदोन्नति द्वारा; या
 - किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी अधिकारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा।

(2) सभी पदोन्नतियां जब तक अन्यथा उपबंधित न हो, ज्येष्ठता एवं योग्यता के आधार पर की जाएगी और केवल ज्येष्ठता ऐसी पदोन्नतियों के लिए कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगी।

प्रशिक्षण।

10. निम्नलिखित पदों पर सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सेवा के सदस्यों के लिए प्रशिक्षण होगा, अर्थात्—

- (1) खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी की दशा में,—
- सदस्य कम्प्यूटर दक्षता सहित पंचायती राज तथा सामुदायिक विकास राज्य संस्था में दो मास की अवधि के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।
 - सदस्य आगे पैतालिस दिन की अवधि के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करेगा तथा इस अवधि के दौरान, खण्ड में स्तन्त्र रूप से नियुक्त किये जाने से पहले, खण्ड के कार्य संचालन को समझ के दृष्टिगत खण्ड में अपर खण्ड विकास तथा पंचायत अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाएगा;
 - सदस्य को विकास विभाग सम्बन्धी विभिन्न विषयों में प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु तीस दिन के लिए जिला विकास तथा पंचायत अधिकारी (उपायुक्त कार्यालय) के साथ भी लगाया जाएगा;
 - सदस्य को राजस्व मामलों में, विशेषतया पंचायत भूमि के बारे में, प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु अन्य तीस दिन के लिए जिला मुख्यालय के तहसीलदार के साथ भी लगाया जाएगा।
 - सदस्य को विकास योजनाओं सम्बन्धी विभिन्न मामलों में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए पन्द्रह दिन के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के साथ भी लगाया जाएगा।
- (2) उपमण्डल अभियन्ता की दशा में,—
- सदस्य तीस दिन की अवधि के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करेगा तथा खण्ड में उसको स्वतंत्र रूप से नियुक्त किए जाने से पहले खण्ड का कार्य संचालन समझने के दृष्टिगत खण्ड में अपर उप-मण्डल अभियन्ता के रूप में नियुक्त किया जाएगा
 - सदस्य को कार्यकारी अभियन्ता के कार्यालय सम्बन्धी विभिन्न मामलों में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए तीस दिन के लिए जिला मुख्यालय पर कार्यकारी अभियन्ता के साथ भी लगाया जाएगा
 - सदस्य को पन्द्रह दिन के लिए मुख्य अभियन्ता के कार्यालय में भी लगाया जाएगा
 - सदस्य कम्प्यूटर दक्षता सहित राज्य पंचायती राज संस्था तथा सामुदायिक विकास में पन्द्रह दिन की अवधि के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।

परिवीक्षा।

11. (1) सेवा में किसी भी पद पर नियुक्त व्यक्ति, यदि वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो, तो दो वर्ष की अवधि के लिए और यदि अन्यथा नियुक्त किया गया हो, तो एक वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेगा :

परन्तु —

- ऐसी नियुक्ति के बाद किसी अनुरूप या उच्चतर पद पर प्रतिनियुक्ति पर व्यतीत की गई कोई अवधि परिवीक्षा अवधि में गिनी जाएगी ;
- स्थानान्तरण द्वारा किसी नियुक्ति की दशा में, नियुक्ति से पहले किसी समकक्ष अथवा उच्चतर पद पर किए गए कार्य की कोई अवधि नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर, इस नियम के अधीन नियत परिवीक्षा अवधि में गिनने दी जा सकती है ; और

- (ग) स्थानापन्न नियुक्ति की कोई भी अवधि परीक्षा पर व्यतीत की गई अवधि के रूप में गिनी जाएगी, किन्तु कोई भी व्यक्ति जिसमें ऐसे स्थानापन्न रूप में कार्य किया है, परीक्षा की विहित अवधि के पूरा होने पर, यदि वह किसी स्थायी पद पर नियुक्त न किया गया हो, तो पुष्ट किए जाने का हकदार नहीं होगा।
- (2) यदि नियुक्ति प्राधिकारी की राय में, परीक्षा की अवधि के दौरान किसी व्यक्ति का कार्य या आचरण सन्तोषजनक न रहा हो, तो वह,—
- (क) यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो, तो उसे उसकी सेवाओं से अलग कर सकता है और
- (ख) यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्त किया गया हो, तो—
- (i) उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है या
- (ii) उसके सम्बन्ध में किसी ऐसी अन्य रीति में कार्यवाही कर सकता है, जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबन्धन तथा शर्तें अनुज्ञात करें।
- (3) किसी व्यक्ति की परीक्षा अवधि पूरी होने पर, नियुक्ति प्राधिकारी,—
- (क) यदि उसकी राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक रहा हो, तो—
- (i) ऐसे व्यक्ति को, यदि वह स्थायी रिक्ति पर नियुक्त किया गया हो, तो उसकी नियुक्ति की तिथि से पुष्ट कर सकता है
- (ii) ऐसे व्यक्ति को, यदि वह अस्थायी रिक्ति पर नियुक्त किया गया हो, तो स्थायी रिक्ति होने की तिथि से पुष्ट कर सकता है या
- (iii) यदि कोई स्थायी रिक्ति न हो, तो घोषित कर सकता है कि उसने अपनी परीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से पूरी कर ली है या
- (ख) यदि उसका कार्य या आचरण उसकी राय में संतोषजनक न रहा हो, तो,—
- (i) यदि वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो, तो उसे सेवा से अलग कर सकता है, यदि अन्यथा नियुक्त किया गया हो, तो उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है या उसके सम्बन्ध में ऐसी अन्य रीति में कार्यवाही कर सकता है जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबन्धन तथा शर्तें अनुज्ञात करें या
- (ii) उसकी परीक्षा अवधि बढ़ा सकता है और उसके बाद ऐसे आदेश कर सकता है जो वह परीक्षा की प्रथम अवधि की समाप्ति पर कर सकता था :
- परन्तु परीक्षा की कुल अवधि, जिसमें बढ़ाई गई अवधि, यदि कोई हो, भी शामिल है, तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।

12. (1) उप मण्डल अभियन्ता तथा खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी के पद पर नियुक्त सेवा के प्रत्येक सदस्य को, यदि सेवा के सदस्य ने पहले से विभागीय परीक्षा पास नहीं की है, कम्प्यूटर दक्षता परीक्षा सहित नियमों के परिशिष्ट च में यथा विनिर्दिष्ट विभागीय परीक्षा सेवा में उसकी नियुक्ति की तिथि से दो वर्ष के भीतर पास करनी होगी:

विभागीय परीक्षा।

परन्तु सरकार अभिलिखित किए जाने वाले कारणों से विभागीय परीक्षा पास करने के लिए अवधि एक वर्ष तक बढ़ा सकती है:

परन्तु यह और कि सरकार किसी अधिकारी को विभागीय परीक्षा के सम्पूर्ण या किसी भाग को पास करने से छूट दे सकती है।

(2) यदि कोई सेवा का सदस्य दो वर्ष की विहित अवधि के भीतर या बढ़ाई गई अवधि, यदि कोई हो, के भीतर विभागीय परीक्षा पास करने में असफल रहता है, तो वह ऐसे समय तक आगामी ग्रेड वेतनवृद्धि अर्जित नहीं करेगा, जब तक वह इसे पास नहीं कर लेता है।

(3) यदि सदस्य उसकी नियुक्ति की तिथि से दो वर्ष की विहित अवधि या बढ़ाई गई अवधि के बाद विभागीय परीक्षा पास करता है, तो वह आगामी अन्तिम दिन से, जिसको विभागीय परीक्षा पूरी हुई है, वेतनवृद्धि का हकदार होगा। वेतनवृद्धि उस तिथि से, जिसको अन्यथा देय थी, भूतलक्षी प्रभाव से दी जाएगी, किन्तु व्यतीत अवधि का कोई बकाया नहीं दिया जाएगा।

(4) यदि सदस्य विभागीय परीक्षा या उसका कोई भाग पास करने में असफल रहता है, और उसे बाद में सरकार द्वारा विभागीय परीक्षा या उसके किसी भाग को, जैसी भी स्थिति हो, पास करने से छूट दे दी जाती है, तो उस पश्चात्-वृत्ति, अवधि, जिसके लिए विभागीय परीक्षा पास की जानी थी, हेतु वेतनवृद्धि उस तिथि से दी जाएगी जिससे ऐसी छूट दी गई है। वेतनवृद्धि उस तिथि से, जिसको अन्यथा देय थी, भूतलक्षी प्रभाव से दी जाएगी, किन्तु व्यतीत अवधि का कोई बकाया नहीं दिया जाएगा।

(5) यदि सदस्य दो वर्ष की विहित अवधि या बढ़ाई गई अवधि के भीतर विभागीय परीक्षा पास नहीं करता है या विभागीय परीक्षा या उसके किसी भाग को पास करने से छूट प्राप्त नहीं है, तो उसकी सेवाएं समाप्त या उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित, यदि कोई हो, जैसी भी स्थिति हो, किए जाने के लिए दायी होगी।

ज्येष्ठता।

13. सेवा के सदस्यों की परस्पर ज्येष्ठता किसी भी पद पर उनके लगातार सेवाकाल के अनुसार निश्चित की जायेगी :

परन्तु जहां सेवा में विभिन्न संवर्ग हो, वहां ज्येष्ठता प्रत्येक संवर्ग के लिए अलग-अलग निश्चित की जायेगी:

परन्तु यह और की सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में ज्येष्ठता नियत करते समय आयोग द्वारा निर्धारित योग्यता क्रम भंग नहीं किया जायेगा :

परन्तु यह और कि एक ही तिथि को नियुक्त दो या दो से अधिक सदस्यों की दशा में, उनकी ज्येष्ठता निम्नलिखित रूप से निश्चित की जायेगी—

- (क) सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त सदस्य पदोन्नति या स्थानांतरण द्वारा नियुक्त सदस्य से ज्येष्ठ होगा;
- (ख) पदोन्नति द्वारा नियुक्त सदस्य स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्य से ज्येष्ठ होगा;
- (ग) पदोन्नति अथवा स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में, ज्येष्ठता ऐसी नियुक्तियों में ऐसे सदस्यों की ज्येष्ठता के अनुसार निश्चित की जायेगी, जिनसे वे पदोन्नत या स्थानान्तरण किए गए थे; और
- (घ) विभिन्न संवर्गों से स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में, उनकी ज्येष्ठता वेतन के अनुसार निश्चित की जायेगी, अधिमान ऐसे सदस्य को दिया जाएगा जो अपनी पहले की नियुक्ति में उच्चतर दर पर वेतन ले रहा था और यदि मिलने वाले वेतन की दर भी समान हो, तो उनकी नियुक्तियों में उनके सेवाकाल के अनुसार और यदि सेवाकाल भी समान हो, तो आयु में बड़ा सदस्य आयु में छोटे सदस्य से ज्येष्ठ होगा।

सेवा करने का दायित्व।

14. (1) सेवा का कोई भी सदस्य, नियुक्त प्राधिकारी द्वारा, हरियाणा राज्य में अथवा उसके बाहर किसी भी स्थान पर सेवा करने के लिए आदेश दिए जाने पर, ऐसा करने के लिए दायी होगा।

(2) सेवा के किसी सदस्य को सेवा के लिए निम्नलिखित के अधीन भी प्रतिनियुक्त किया जा सकता है,—

- (i) कोई कंपनी, संगम या व्यष्टि-निकाय, चाहे वह निगमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियन्त्रण राज्य सरकार के पास है, हरियाणा राज्य के भीतर नगर निगम या स्थानीय प्राधिकरण या विश्वविद्यालय :
- (ii) केन्द्रीय सरकार या ऐसी कंपनी, संगम या व्यष्टि-निकाय, चाहे वह निगमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियन्त्रण केन्द्रीय सरकार के पास हो : या
- (iii) कोई अन्य राज्य सरकार, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, स्वायत्त निकाय जिसका नियन्त्रण सरकार के पास न हो या गैर-सरकारी निकाय:

परन्तु सेवा के किसी भी सदस्य को उसकी सहमति के बिना खण्ड (ii) अथवा (iii) में विनिर्दिष्ट केन्द्रीय या किसी अन्य राज्य सरकार या किसी संगठन या निकाय की सेवा करने के अधीन प्रतिनियुक्त नहीं किया जायेगा।

वेतन, छुट्टी, पेंशन तथा अन्य मामले।

15. (1) वेतन, छुट्टी, पेंशन तथा सभी अन्य मामलों के संबंध में, जिनका इन नियमों में स्पष्ट रूप से उपबंध नहीं किया है, सेवा के सदस्य ऐसे नियमों तथा विनियमों द्वारा भाषित होंगे जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा भारत के संविधान के अधीन या राज्य विधानमंडल द्वारा बनाई गई तथा उस समय लागू किसी विधि के अधीन अपनाएं या बनाये गये हों अथवा इसके बाद अपनाए या बनाये जाए।

(2) कोई व्यक्ति जो सेवा या पद से सेवानिवृत्त होता है, जो वह अधिवर्षिता पेंशन (किंतु पेंशन की किसी अन्य श्रेणी के लिए नहीं) वास्तविक अवधि जो उसकी सेवा की अवधि से एक चौथाई से अधिक न हो या वास्तविक अवधि जिसकी भर्ती के समय उसकी आयु पच्चीस वर्ष से अधिक है या वास्तविक अवधि पांच वर्ष है, जो भी कम हो, यदि वह सेवा या पद,—

(क) जिसके लिए वह वैज्ञानिक, शिल्पविज्ञानीय या व्यवसायिक क्षेत्र में स्नातकोत्तर अनुसंधान या विशिष्ट योग्यता या अनुभव आवश्यक है, पर नियुक्त किया गया है; तथा

(ख) जिस पर सामान्यतः पच्चीस वर्ष की आयु से अधिक के उम्मीदवार भर्ती किए गए हैं,

के लिए अपनी अर्हक सेवा जुड़वाने के लिए पात्र होगा:

परन्तु यह छूट ऐसे किसी व्यक्ति को अनुज्ञेय नहीं होगी यदि उसकी वास्तविक अर्हक सेवा, सेवा छोड़ते समय, दस वर्ष से कम हो:

परन्तु यह और कि यह छूट केवल ऐसे व्यक्ति को अनुज्ञेय होगी जो उक्त योग्यताएँ रखता हो तथा सीधी भर्ती के द्वारा नियुक्त किया गया हो :

परन्तु यह और कि यह छूट उस व्यक्ति को, जो अधिवर्षिता पेंशन की अपनी पूर्व सेवा गिनने के लिए पात्र है, अनुज्ञात नहीं की जाएगी, जब तक वह अपनी सेवानिवृत्ति की तिथि से पूर्व विकल्प का चुनाव नहीं करता है, पूर्व सेवा गिनते हुए पूर्वगामी सेवा के अधिमान हेतु, एक बार विकल्प का किया गया प्रयोग अन्तिम होगा।

16. (1) अनुशासन, शास्तियां तथा अपीलों से संबंधित मामलों में, सेवा के सदस्य समय-समय पर यथा संशोधित हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 2016 द्वारा भासित होंगे :

अनुशासन, शास्तियां और अपीलों।

परन्तु ऐसी भास्तियों का स्वरूप, जो लगाई जा सकती है, ऐसी भास्तियां लगाने के लिए सशक्त प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अधीन बनाई गई किसी विधि या नियमों के अधीन रहते हुए वे होंगे जो इन नियमों के परिशिष्ट ग में विनिर्दिष्ट हैं।

(2) हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 2016 के नियम 9 के खंड (ग) या खंड (घ) के अधीन आदेश करने के लिये सक्षम प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी भी वह होगा जो इन नियमों के परिशिष्ट घ में विनिर्दिष्ट है।

17. सेवा का प्रत्येक सदस्य स्वयं को टीका लगवाएगा तथा जब सरकार किसी विशेष या साधारण आदेश द्वारा निदेश करे, पुनः टीका लगवाएगा।

टीका लगवाना।

18. सेवा के प्रत्येक सदस्य से, जब तक उसने पहले ही भारत के प्रति तथा विधि द्वारा यथा स्थापित भारत के संविधान के प्रति राजनिष्ठा की भापथ न ले ली हो, ऐसा करने की अपेक्षा की जाएगी।

राजनिष्ठा की शपथ।

19. जहां सरकार की राय में, इन नियमों के किसी उपबंध में ढील देना आवश्यक या समीचीन हों, वहां वह कारण लिखकर, आदेश द्वारा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में ऐसा कर सकती है।

ढील देने की शक्ति।

20. इन नियमों में दी गई किसी बात के होते हुए भी, नियुक्ति प्राधिकारी, यदि वह नियुक्ति आदेश में विशेष निबन्धन तथा भर्ती लगाना उचित समझे, तो वह ऐसा कर सकता है।

विशेष उपबंध।

21. इन नियमों में दी गई कोई भी बात राज्य सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर जारी किए गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों, अन्य पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों, भारीरूप से विकलांग व्यक्तियों या व्यक्तियों के किसी अन्य वर्ग या प्रवर्ग को दिये जाने के लिये अपेक्षित आरक्षणों तथा अन्य रियायतों को प्रभावित नहीं करेगी।

आरक्षण।

22. हरियाणा विकास तथा पंचायत विभाग (ग्रुप ख) सेवा नियम, 1988 तथा हरियाणा विकास तथा पंचायत विभाग, पंचायती राज इंजीनियरिंग (ग्रुप ख) सेवा नियम, 1998, इसके द्वारा निरसित किये जाते हैं :

निरसन तथा व्यावृत्ति।

परन्तु इस प्रकार निरसित नियमों के अधीन किया गया कोई आदेश या की गई कार्रवाई इन नियमों के अनुरूप उपबन्धों के अधीन किया गया आदेश अथवा की गई कार्रवाई समझी जायेगी।

परिशिष्ट क
(देखिए नियम 3)

क्रम संख्या	पदनाम	पदों की संख्या			वेतनमान
1	2	3	4	5	6
		स्थायी	अस्थायी	जोड़	
1.	उप मण्डल अभियन्ता (सिविल)	—	128	128	पी०बी-2 = 9300-34800+5400 ग्रेड वेतन
2.	उप मण्डल अभियन्ता (इलैक्ट्रीकल)	—	3	3	पी०बी-2 = 9300-34800+5400 ग्रेड वेतन
3.	खण्ड विकास तथा पंचायत अधिकारी	—	126	126	पी०बी-2 = 9300-34800+4600 ग्रेड वेतन
4.	प्राध्यापक (ग्रामीण विकास)	1	1	2	पी०बी-2 = 9300-34800+4600 ग्रेड वेतन
5.	प्राध्यापक(प्रबन्धन तथा योजना)	1	1	2	पी०बी-2 = 9300-34800+4600 ग्रेड वेतन
6.	प्राध्यापक (पंचायती राज)	1	1	2	पी०बी-2 = 9300-34800+4600 ग्रेड वेतन
7.	प्राध्यापक (वित्त प्रबन्धन)	1	—	1	पी०बी-2 = 9300-34800+4600 ग्रेड वेतन
8.	प्राध्यापक(स्वास्थ्य तथा स्वच्छता)	1	—	1	पी०बी-2 = 9300-34800+4600 ग्रेड वेतन
9.	प्राध्यापक(सूचना तथा प्रौद्योगिकी)	1	—	1	पी०बी-2 = 9300-34800+4600 ग्रेड वेतन
10.	सहायक निदेशक	2	—	2	पी०बी-2 = 9300-34800+4600 ग्रेडे वेतन
11.	विधि अधिकारी	23	—	23	पी०बी-2 = 9300-34800+4200 ग्रेड वेतन
12.	अधीक्षक (मुख्यालय)	5	1	6	पी०बी-2 = 9300-34800+4200 ग्रेड वेतन
13.	अधीक्षक (क्षेत्रीय)	4	—	4	पी०बी-2 = 9300-34800+4200 ग्रेडे वेतन
14.	अनुसन्धान अधिकारी	—	1	1	पी०बी-2 = 9300-34800+3600 ग्रेड वेतन

टिप्पण 1.— वित्त विभाग का संवर्ग होते हुए लेखा अधिकारी के दो पद, वित्त विभाग, हरियाणा से भरे जाएंगे। उसी प्रकार, प्राध्यापक (लेखा एवं विनियमन) के एक पद पर, वित्त विभाग से पांच वर्ष का अनुभव रखने वाला लेखा अधिकारी पदस्थ किया जाएगा।

टिप्पण 2.— विधि अधिकारियों के तेईस पदों में से, विधि अधिकारी के विद्यमान आठ पदों को तुरन्त सहायक जिला न्यायावादी के पदों में परिवर्तित किया जाएगा तथा उसके शेष भरे हुए पद या तो पदाधिकारियों की सेवानिवृत्ति या पदोन्नति होने के कारण रिक्त होने पर, सहायक जिला न्यायावादी के पदों में परिवर्तित किए जाएंगे। इस प्रकार, अभियोजन विभाग का संवर्ग होते हुए सहायक जिला न्यायावादी के तेईस पद, अभियोजन विभाग, हरियाणा से भरे जाएंगे।

परिशिष्ट ख
(देखिए नियम 7)

क्रम संख्या	पदनाम	सीधी भर्ती के लिए भौक्षिक योग्यताएं तथा अनुभव, यदि कोई हो	सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्ति के लिए भौक्षिक योग्यताएं तथा अनुभव, यदि कोई हो
1	2	3	4
1.	उप मण्डल अभियन्ता (सिविल)	(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से सिविल इंजीनियरिंग में उपाधि; (ii) मैट्रिक या उच्चतर शिक्षा स्तर तक हिन्दी या संस्कृत;	उपाधि प्रमाण-पत्र धारक कनिष्ठ अभियन्ताओं (सिविल) में से पदोन्नत द्वारा : कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) के रूप में दस वर्ष का अनुभव; उपाधि प्रमाण-पत्र धारक परिमण्डल मुख्य प्रारूपकारों (सिविल)/मुख्य प्रारूपकारों (सिविल) में से पदोन्नति द्वारा: परिमण्डल मुख्य प्रारूपकारों (सिविल)/प्रारूपकारों (सिविल) के रूप में दस वर्ष का अनुभव; उपाधि धारक कनिष्ठ अभियन्ताओं (सिविल) में से पदोन्नति द्वारा; (i) सिविल इंजीनियरिंग में उपाधि; (ii) कनिष्ठ अभियन्ता के रूप में दो वर्ष का अनुभव; उपाधि धारक परिमण्डल मुख्य प्रारूपकारों (सिविल)/मुख्य प्रारूपकारों (सिविल)/प्रारूपकारों (सिविल) में से पदोन्नति द्वारा: (i) सिविल इंजीनियरिंग में उपाधि; (ii) प्रारूपकार सिविल के रूप में या उससे ऊपर के पद पर दो वर्ष का अनुभव;
2.	उप मण्डल अभियन्ता (इलैक्ट्रीकल)	(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग में उपाधि; (ii) मैट्रिक या उच्चतर शिक्षा स्तर तक हिन्दी या संस्कृत,	उपाधि प्रमाण-पत्र धारक कनिष्ठ अभियन्ताओं (इलैक्ट्रीकल) में से पदोन्नत द्वारा कनिष्ठ अभियन्ता (इलैक्ट्रीकल) के रूप में दस वर्ष का अनुभव; उपाधि धारक कनिष्ठ अभियन्ताओं (इलैक्ट्रीकल) में से पदोन्नति द्वारा : (i) इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग में उपाधि; (ii) कनिष्ठ अभियन्ता (इलैक्ट्रीकल) के रूप में दो वर्ष का अनुभव;
3.	खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी	हरियाणा सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) नियम, 2002 में यथा विनिर्दिष्ट प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से;	पदोन्नति द्वारा : (i) स्नातक ; (ii) समाज शिक्षा एवं पंचायत अधिकारी के रूप में दस वर्ष का अनुभव;
4.	प्राध्यापक (ग्रामीण विकास)	(i) कम से कम 55 प्रतिशत अंकों सहित किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र या ग्रामीण विकास में स्नातकोत्तर; (ii) ग्रामीण विकास में अध्यापन या अनुसन्धान में दो वर्ष का अनुभव; (iii) मैट्रिक या उच्चतर शिक्षा स्तर तक हिन्दी या संस्कृत ;	स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा: (i) कम से कम 55 प्रतिशत अंकों सहित किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र या ग्रामीण विकास में स्नातकोत्तर; (ii) मैट्रिक या उच्चतर शिक्षा स्तर तक हिन्दी या संस्कृत ; (iii) प्राध्यापक (ग्रामीण विकास) के रूप में दो वर्ष का अनुभव;

5.	प्राध्यापक (प्रबन्धन तथा योजना)	<p>(i) कम से कम 55 प्रतिशत अंकों सहित किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कारबार प्रशासन (वित्त) में मास्टर या अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर;</p> <p>(ii) प्रबन्धन तथा योजना में अध्यापन या अनुसन्धान में दो वर्ष का अनुभव;</p> <p>(iii) मैट्रिक या उच्चतर शिक्षा स्तर तक हिन्दी या संस्कृत;</p>	<p>स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा:</p> <p>(i) कम से कम 55 प्रतिशत अंकों सहित किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कारबार प्रशासन (वित्त) में मास्टर या अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर;</p> <p>(ii) मैट्रिक या उच्चतर शिक्षा स्तर तक हिन्दी या संस्कृत ;</p> <p>(iii) प्राध्यापक (प्रबन्धन तथा योजना) के रूप में दो वर्ष का अनुभव;</p>
6.	प्राध्यापक (पंचायती राज)	<p>(i) कम से कम 55 प्रतिशत अंकों सहित किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सामाजिक विज्ञान में स्नातकोत्तर;</p> <p>(ii) पंचायती राज में अध्यापन या अनुसन्धान में दो वर्ष का अनुभव;</p> <p>(iii) मैट्रिक या उच्चतर शिक्षा स्तर तक हिन्दी या संस्कृत;</p>	<p>स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा:</p> <p>(i) कम से कम 55 प्रतिशत अंकों सहित किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सामाजिक विज्ञान में स्नातकोत्तर;</p> <p>(ii) मैट्रिक या उच्चतर शिक्षा स्तर तक हिन्दी या संस्कृत ;</p> <p>(iii) प्राध्यापक (पंचायती राज) के रूप में दो वर्ष का अनुभव;</p>
7.	प्राध्यापक (वित्त प्रबन्धन)	<p>(i) कम से कम 55 प्रतिशत अंकों सहित किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से वाणिज्य में स्नातकोत्तर या चार्टर्ड एकाउंटेंट;</p> <p>(ii) वित्त प्रबन्धन में दो वर्ष का अनुभव;</p> <p>(iii) मैट्रिक या उच्चतर शिक्षा स्तर तक हिन्दी या संस्कृत ;</p>	<p>स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा:</p> <p>(i) कम से कम 55 प्रतिशत अंकों सहित मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से वाणिज्य में स्नातकोत्तर या चार्टर्ड एकाउंटेंट ;</p> <p>(ii) मैट्रिक या उच्चतर शिक्षा स्तर तक हिन्दी या संस्कृत का ज्ञान।</p> <p>(iii) प्राध्यापक (वित्त प्रबन्धन) के रूप में दो वर्ष का अनुभव;</p>
8.	प्राध्यापक (स्वास्थ्य तथा स्वच्छता)	<p>(i) कम से कम 55 प्रतिशत अंकों सहित किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से गृह विज्ञान में एम.एस.सी. या सामाजिक कार्यों में मास्टर</p> <p>(ii) स्वास्थ्य तथा स्वच्छता के क्षेत्र में ग्रामीण सामाजिक गतिविधियों में दो वर्ष का अनुभव;</p> <p>(iii) मैट्रिक या उच्चतर शिक्षा स्तर तक हिन्दी या संस्कृत ;</p>	<p>स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा:</p> <p>(i) कम से कम 55 प्रतिशत अंकों सहित किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से गृह विज्ञान में एम.एस.सी. या सामाजिक कार्यों में मास्टर;</p> <p>(ii) मैट्रिक या उच्चतर शिक्षा स्तर तक हिन्दी या संस्कृत ;</p> <p>(iii) प्राध्यापक (स्वास्थ्य तथा स्वच्छता) के रूप में दो वर्ष का अनुभव;</p>
9.	प्राध्यापक (सूचना तथा प्रौद्योगिकी)	<p>(i) कम से कम 55 प्रतिशत अंकों सहित किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर विज्ञान या सूचना प्रौद्योगिकी में एम.टैक;</p> <p>(ii) सूचना तथा प्रौद्योगिकी में अध्यापन या अनुसन्धान में दो वर्ष का अनुभव;</p> <p>(iii) मैट्रिक या उच्चतर शिक्षा स्तर तक हिन्दी या संस्कृत ;</p>	<p>स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा:</p> <p>(i) कम से कम 55 प्रतिशत अंकों सहित किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर विज्ञान या सूचना प्रौद्योगिकी में एम.टैक;</p> <p>(ii) मैट्रिक या उच्चतर शिक्षा स्तर तक हिन्दी या संस्कृत ;</p> <p>(iii) प्राध्यापक (सूचना तथा प्रौद्योगिकी) के रूप में दो वर्ष का अनुभव;</p>

10.	सहायक निदेशक	—	पदोन्नति द्वारा: अधीक्षक (मुख्यालय) के रूप में दो वर्ष का अनुभव; स्थानान्तरण या प्रति नियुक्ति द्वारा : (i) सहायक निदेशक के रूप में दो वर्ष का अनुभव; (ii) मैट्रिक या उच्चतर शिक्षा स्तर तक हिन्दी या संस्कृत ;
11	अधीक्षक (मुख्यालय)	—	पदोन्नति द्वारा : उप अधीक्षक (मुख्यालय) के रूप में एक वर्ष का अनुभव; स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा: (i) अधीक्षक के रूप में दो वर्ष का अनुभव ; (ii) मैट्रिक या उच्चतर शिक्षा स्तर तक हिन्दी या संस्कृत;
12	अधीक्षक (क्षेत्रीय)	—	पदोन्नति द्वारा : उप अधीक्षक (क्षेत्रीय) के रूप में एक वर्ष का अनुभव; स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा: (i) अधीक्षक के रूप में दो वर्ष का अनुभव; (ii) मैट्रिक या उच्चतर शिक्षा स्तर तक हिन्दी या संस्कृत;
13	अनुसंधान अधिकारी	(i) कम से कम 55 प्रतिशत अंको सहित किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र या सांख्यिकीय में स्नातक; (ii) सांख्यिकीय आंकड़ा संग्रहण तथा संकलन में दो वर्ष का अनुभव; (iii) मैट्रिक या उच्चतर शिक्षा स्तर तक हिन्दी या संस्कृत;	पदोन्नति द्वारा : अन्वेषक के रूप में पांच वर्ष का अनुभव; स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा : (i) अनुसंधान अधिकारी के रूप में दो वर्ष का अनुभव ; (ii) मैट्रिक या उच्चतर शिक्षा स्तर तक हिन्दी या संस्कृत ;

परिशिष्ट ग
[देखिए नियम 16 (1)]

क्रम संख्या	पद का नाम	नियुक्ति प्राधिकारी	शास्ति का स्वरूप	भास्ति लगाने के लिए सशक्त प्राधिकारी
1	2	3	4	5
1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14.	उप मण्डल अभियन्ता (सिविल) उप मण्डल अभियन्ता (इलैक्ट्रीकल) खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी प्राध्यापक (ग्रामीण विकास) प्राध्यापक (प्रबन्धन तथा आयोजना) प्राध्यापक (पंचायती राज) प्राध्यापक (वित्त प्रबन्धन) प्राध्यापक (स्वास्थ्य तथा स्वच्छता) प्राध्यापक (सूचना तथा प्रौद्योगिकी) सहायक निदेशक विधि अधिकारी अधीक्षक (मुख्यालय) अधीक्षक (क्षेत्रीय) अनुसंधान अधिकारी	सरकार	<p>छोटी शास्तियां—</p> <p>(i) वैयक्तिक फाईल पर प्रति रखते हुए चेतावनी;</p> <p>(ii) परिनिन्दा;</p> <p>(iii) एक वर्ष तक की विनिर्दिष्ट अवधि के लिए पदोन्नति रोकना;</p> <p>(iv) केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार या किसी कम्पनी तथा संस्था या व्यक्ति—निकाय, चाहे निगमित हो या नहीं, को जो पूर्ण रूप से या सारभूत रूप से सरकार के स्वामित्वाधीन या नियंत्रणाधीन अथवा संसद या राज्य विधानमण्डल के अधिनियम द्वारा स्थापित किसी स्थानीय प्राधिकरण की उपेक्षा या आदेशों की उल्लंघन द्वारा हुई किसी धन सम्बन्धी हानि की पूरी या इसके भाग की, वेतन की वसूली; तथा</p> <p>(v) संचयी प्रभाव के बिना वेतन वृद्धि (वेतन वृद्धियां) रोकना;</p> <p>बड़ी शास्तियां—</p> <p>(i) संचयी प्रभाव से वेतन वृद्धि (वेतन वृद्धियां) रोकना;</p> <p>(ii) एक वर्ष से अधिक की विनिर्दिष्ट अवधि के लिए पदोन्नति रोकना;</p> <p>(iii) किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिये वेतन बैंड या वेतनमान में निम्नतर प्रक्रम पर अवनति, ऐसे विशिष्ट निर्देशों सहित कि क्या अवनति की विनिर्दिष्ट अवधि के प्रचलन के दौरान सामान्य वेतनवृद्धि अनुज्ञेय होगी या नहीं, तथा आगे, क्या अवनति की अवधि की समाप्ति पर उसका वेतन प्रत्यावर्तित किया जाना है या नहीं;</p> <p>(iv) निम्नतर वेतन ढांचा, पद या सेवा पर एक वर्ष की अवधि से अधिक के लिए अवनति जिससे सरकारी कर्मचारी पदोन्नत किया गया था। जो वेतन ढांचा, पद या सेवा जिससे सरकारी कर्मचारी अवनत किया गया है, पर सरकारी कर्मचारी की पदोन्नति के लिए ऐसे वेतन ढांचा, पद या सेवा जिससे कर्मचारी अवनत किया गया था, उस वेतन ढांचा, पद या सेवा में ऐसी बहाली पर उसकी वरिष्ठता तथा वेतन के बारे में शर्तों संबंधी अतिरिक्त निर्देशों के साथ या उसके बिना साधारणतया रोक होगी;</p> <p>(v) अनिवार्य सेवानिवृत्ति;</p> <p>(vi) सेवा से हटाया जाना;</p> <p>(vii) सेवा से पदच्युति।</p>	सरकार।

परिशिष्ट घ
[देखिए नियम 16 (2)]

क्रम संख्या	पदनाम	आदेशों का स्वरूप	आदेश करने के लिए सशक्त प्राधिकारी
1	2	3	4
1.	उप मण्डल अभियन्ता (सिविल)	(क) पेंशन को शासित करने वाले नियमों के अधीन अनुज्ञेय सामान्य/ अतिरिक्त पेंशन की राशि में कमी करना या रोकना; (ख) सेवा के किसी सदस्य को उसकी अधिवर्षिता के लिए नियत आयु पूरी होने से अन्यथा नियुक्ति की समाप्ति;	सरकार।
2.	उप मण्डल अभियन्ता (इलैक्ट्रीकल)		
3.	खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी		
4.	प्राध्यापक (ग्रामीण विकास)		
5.	प्राध्यापक (प्रबन्धन तथा आयोजना)		
6.	प्राध्यापक (पंचायती राज)		
7.	प्राध्यापक (वित्त प्रबन्धन)		
8.	प्राध्यापक (स्वास्थ्य तथा स्वच्छता)		
9.	प्राध्यापक (सूचना तथा प्रौद्योगिकी)		
10.	सहायक निदेशक		
11.	विधि अधिकारी		
12.	अधीक्षक (मुख्यालय)		
13.	अधीक्षक (क्षेत्रीय)		
14.	अनुसंधान अधिकारी		

परिशिष्ट ड

[देखिए नियम 9(i)]

उपमण्डल अभियन्ता (सिविल) के मामले में 100 रिक्तियों के हिस्से में से भर्ती का ढंग

क्रम संख्या	भर्ती का ढंग	अनुपात	100 रिक्तियों के हिस्से में से प्रत्येक स्रोत का आबंटन
1	2	3	4
1.	सीधी भर्ती	50 प्रतिशत	1 से 5, 13 से 16, 21 से 25, 32 से 36, 41 से 45, 52 से 55, 62 से 66, 72 से 77, 81 से 86 तथा 93 से 97
2.	उपाधि प्रमाण-पत्र धारक कनिष्ठ अभियन्ताओं (सिविल) से पदोन्नति	32 प्रतिशत	6, 8, 9, 12, 17, 19, 20, 26, 28, 29, 31, 37, 39, 40, 46, 48, 49, 51, 56, 58, 59, 61, 68, 69, 71, 79, 80, 88, 89, 92, 99 तथा 100
3.	उपाधि प्रमाण-पत्र धारक परिमण्डल मुख्य प्रारूपकारों (सिविल) / मुख्य प्रारूपकारों (सिविल) से पदोन्नति	6 प्रतिशत	11, 30, 50, 60, 70, 91
4.	उपाधि धारक कनिष्ठ अभियन्ताओं (सिविल) से पदोन्नति	11 प्रतिशत	7, 10, 18, 27, 38, 47, 57, 67, 78, 87 तथा 90
5.	उपाधि धारक परिमण्डल प्रारूपकारों (सिविल)/मुख्य प्रारूपकारों (सिविल)/प्रारूपकारों (सिविल) से पदोन्नति	एक प्रतिशत	98

उपमण्डल अभियन्ता (इलैक्ट्रीकल) के मामले में 100 रिक्तियों के हिस्से में से भर्ती का ढंग

क्रम संख्या	भर्ती का ढंग	अनुपात	100 रिक्तियों के हिस्से में प्रत्येक स्रोत का आबंटन
1.	सीधी भर्ती	50 प्रतिशत	1 से 5, 13 से 16, 21 से 25, 32 से 36, 41 से 45, 52 से 55, 62 से 66, 72 से 77, 81 से 86 तथा 93 से 97
2.	उपाधि प्रमाण-पत्र धारक कनिष्ठ अभियन्ताओं (इलैक्ट्रीकल) से पदोन्नति	35 प्रतिशत	6, 8, 9, 11, 12, 17, 19, 20, 26, 28, 29, 31, 37, 39, 40, 46, 48, 49, 50, 51, 56, 58, 59, 61, 68, 69, 70, 71, 79, 80, 88, 89, 92, 99 तथा 100
3.	उपाधि धारक कनिष्ठ अभियन्ताओं (इलैक्ट्रीकल) से पदोन्नति;	15 प्रतिशत	7, 10, 18, 27, 30, 38, 47, 57, 60, 67, 78, 87, 90, 91 तथा 98

खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी के मामले में 100 रिक्तियों के हिस्से में से भर्ती का ढंग

क्रम संख्या	भर्ती का ढंग	अनुपात	100 रिक्तियों के हिस्से में प्रत्येक स्रोत का आबंटन
1	2	3	4
1.	सीधी भर्ती	50 प्रतिशत	1 से 5, 13 से 16, 21 से 25, 32 से 36, 41 से 45, 52 से 55, 62 से 66, 72 से 77, 81 से 86 तथा 93 से 97
2.	समाजिक शिक्षा तथा पंचायत अधिकारियों से पदोन्नति	50 प्रतिशत	6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 17, 18, 19, 20, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 37, 38, 39, 40, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 67, 68, 69, 70, 71, 78, 79, 80, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 98, 99 तथा 100

परिशिष्ट च
(देखिए नियम 12)

विभागीय परीक्षा के लिए नियम

1. उपमण्डल अभियन्ता (सिविल), उपमण्डल अभियन्ता (इलैक्ट्रीकल) तथा खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी के पद पर नियुक्त सेवा के सदस्य के लिए विभागीय परीक्षा अप्रैल तथा नवम्बर मास में या ऐसे अन्य मास में, जो अधिसूचित किया जाए, वर्ष में दो बार आयोजित की जाएगी। परीक्षा की वास्तविक तिथि तथा स्थान हरियाणा राजपत्र में अधिसूचित किया जाएगा।
2. परीक्षा, केन्द्रीय परीक्षा समिति, हरियाणा द्वारा आयोजित की जाएगी।
3. हरियाणा सरकार के परीक्षकों द्वारा पेपर बनाए जाएंगे, उत्तरों का परीक्षण किया जाएगा तथा अंक प्रदान किए जाएंगे।
4. सचिव, केन्द्रीय परीक्षा समिति, हरियाणा द्वारा उम्मीदवारों की उत्तर पुस्तिकाएँ नियुक्त परीक्षक को भेजी जाएंगी। परीक्षक तिथि जिसको परीक्षा समाप्त होती है, से दो सप्ताह के भीतर सचिव, केन्द्रीय परीक्षा समिति, हरियाणा को मूल उत्तर पुस्तिका सहित अपने दिए गए अंकों को बन्द लिफाफे में प्रस्तुत करेगा। सचिव अवार्ड विवरणी में परीक्षक का नाम भरेगा तथा उन्हें सचिव, विकास तथा पंचायत विभाग को भेजेगा जो परिणाम तैयार करेगा। ऐसी परीक्षा के बाद सफल उम्मीदवारों के नाम हरियाणा राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे।
5. परीक्षा पास करने के लिए, उम्मीदवार को प्रत्येक पेपर में कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने आवश्यक होंगे।
6. विभागीय परीक्षा हेतु प्रत्येक विषयों पर तीन घंटों का पेपर बनाया जाएगा।
7. इसके नीचे वर्णित विभागीय परीक्षा का पाठ्यक्रम सरकार द्वारा, समय-समय पर, संशोधित/ परिवर्तित किया जा सकता है।

उप-मण्डल अभियन्ता (सिविल) की विभागीय परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम**पेपर संख्या-1****लोक निर्माण विभाग की विशिष्टिया****अंक 100**

उम्मीदवारों को लोक निर्माण विभाग की विशिष्टियों की पुस्तिका में अधिकथित कार्यों की विभिन्न सामग्रियों तथा विभिन्न मदों के लिए विशिष्टियों का अच्छा ज्ञान तथा समझ होनी चाहिये, उन्हें विशिष्टियों के मुख्य बिन्दुओं को तैयार करने में तथा विशिष्टियों की पुस्तिका पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देने के योग्य होना चाहिये।

पेपर संख्या- 2**डिजाइन****अंक 50**

साधारण 100 स्लैबों, आयतीत बीमों का डिजाइन तथा उपरोक्त संरचना धटको के सुदृढीकरण के ब्योरो पर विशेष महत्व।

- (i) स्तम्भों, गंचियों में सुदृढीकरण के ब्योरे तथा स्तम्भों और बीमों में रकाबों की स्थिति तथा आकार।
- (ii) स्तम्भों तथा बीमों के संयोजन के सुदृढीकरण के ब्योरे।
- (iii) धरणियों, अतिदापनों के ब्योरे तथा अतिदादनों की स्थिति।
- (iv) भवनों तथा पुलों के आर०सी०सी० घटको में निर्माण जोड़ों की अवस्थिति।
- (v) कक्षों के सामान्य आकार हेतु विभिन्न स्पेनों के लिए आर०सी०सी० पट्टियां तथा लकड़ी की पट्टियां तथा आर०सी०सी० जोड़ का आकार।
- (vi) विभिन्न ऊंचाईयों अथवा जोड़ों हेतु पुस्ता चिनाई पुस्ता दीवारों का भाग।

पेपर संख्या. 3**निर्देशिका आदेशों लेखों तथा कार्यालय प्रक्रिया****100 अंक**

उम्मीदवार को आदेश निर्देशिका में दिए गए अनुदेशों का ज्ञान होना चाहिए जो विशेष रूप से उप मण्डल अधिकारियों की शक्तियों तथा कर्तव्यों से सम्बन्धित हैं, इसके अतिरिक्त उन्हें निम्नलिखित लेखा कार्यों के बारे में भी पूरा ज्ञान होना चाहिए।

- (i) अगदाप नकद लेखा का रख रखाव, फार्म 1 क 3 में अस्थाई अग्रिम राशि, स्थाई व अस्थाई अग्रदाय लेखा संहिता विल्द-3 की मद 86 से 88 तथा विभागीय वित्तीय नियम, पैरा 5.19 तथा 3.23 के लिए तैयार अग्रदाम नकद रोकड़ लिखना।
- (ii) प्ररूप पी डब्ल्यू. ए. तथा प्ररूप डी. एफ. आर. (पी. डब्ल्यू.)-26 में स्टाक प्राप्त करना तथा प्रेषण करना। स्टाक प्राप्त तथा प्रेषण करने हेतु अनुदेश लेखा संहिता जिल्द 1 मद 37.91 तथा 9.6 और विभागीय वित्तीय नियम पैरा 6.3, 6.9 से 6.13 तक टिप्पणों में अधिकथित किए गए हैं।
- (iii) विभागीय वित्तीय नियमों के पैराग्राफ 6.24 के अनुसार भण्डार प्रभारों की परिभाषा जहा उदगृहित है।
- (iv) प्राप्ति तथा प्रेषणों सी/सी ;पी. डब्ल्यू. ए. प्ररूप 5 तथा 6 के मासिक सांराश तैयार करना तथा अनुदेशों जो विभागीय वित्तीय नियम, पैरा 6.14 से 6.16 में दिए गए हैं तथा प्रारूप पी.डब्ल्यू.ए 5 तथा 6 के अनुदेश 1 तथा 2 के अनुसार प्राप्ति तथा प्रेषणों के मासिक सांराश दर्ज करना।
- (v) अनुदेशों जो पंचायत वित्तीय नियम 6.18 तथा 6.21 तथा 6.25 में दिए गए हैं, के अनुसार स्टाक हेतु अर्थ वार्षिक अतिषेश विवरणी तैयार करना।
- (vi) विभागीय वित्तीय नियम 6.35, 6.36, तथा 6.37 डी.एफ.आर प्ररूप (पी.डब्ल्यू.)2 लेखा संहिता जिल्द.3, मद 101, 102, 103 तथा लोक निर्माण विभाग संहिता, पैरा 4.31 से 4.35 में दिए गए अनुसार स्टाक प्राप्त करना तथा लेखों का सम्यापन करना।
- (vii) विभागीय वित्तीय नियम 6.39, 6.41, 6.43, 6.44 से 6.45 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार प्ररूप पी0 आर. (पी. डब्ल्यू) 12 व 13 के औजारों तथा संयन्त्र अनुरक्षण की प्राप्ति तथा प्रेषण।
- (viii) विभागीय वित्तीय नियमों के प्ररूप तथा पैरा 6.46 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार डी. एफ. आर. प्ररूप पी0डब्ल्यू 14 के रजिस्टर का रख रखाव तथा दर्ज कैसे किया जाए।
- (ix) विभागीय वित्तीय नियमों के पैरा 6.25 तथा 6.53 के अनुदेशों के अनुसार प्ररूप डी.एफ.आर पी.डब्ल्यू 10 के मान लेखा तैयार करना।
- (x) विभागीय वित्तीय नियम 7.12 तथा 7.13 में दिए गए प्ररूप डी. एफ. आर. (पी. डब्ल्यू) 10 तथा अनुदेशों के अनुसार मास्टररोल का भुगतान तथा अनुरक्षण।

- (xi) विभिन्न बिलो तथा बाउचर, प्ररूप अर्थात् विभागीय नियमों के पैरा 7.20 से 7.32 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार प्रथम तथा अन्तिम बिलों, चालू लेखा तथा बिलो इत्यादि हेतु डी.एफ.आर 22 से 26 का ज्ञान तथा उपयोग।
- (xii) प्ररूप डी.एफ.आर पी.डब्ल्यू 25 में तथा लेखा संहिता जिल्द.3, मद 77 तथा विभागीय वित्तीय नियमों के पैरा 7.38, 7.39 तथा 7.40 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार वर्कचार्ज स्थापना को भुगतान करना तथा निस्तारण रोल तैयार करना।
- (xiii) इस प्रारूप में मुद्रित तथा विभागीय वित्तीय नियमों के नियम 7.2 से 7.61, 7.64 (क), (ख), 7.65 से 7.80 में तथा लेखा संहिता जिल्द.3, मद 126 से 129 में यथा निर्दिष्ट अनुदेशों के अनुसार प्ररूप डी.एफ.आर पी.डब्ल्यू 30 तथा 31 में सकर्म तथा अनुरक्षण लेखा से सीधी सामग्रियां प्रेषित करना।
- (xiv) नियम 7.64 से 7.80, 7.64 (क) (ख), 7.65 से 7.80 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार प्रारूप (पी.डब्ल्यू) 10 से 11 में संकर्म सारांश तैयार करना।
- (xv) लेखा संहिता जिल्द.3 के मद 155 से 165 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार मशीनरी तथा अन्य निर्माण संकर्मों हेतु पी.डब्ल्यू ए प्ररूप संख्या 15 में निर्माण लेखों की देख-रेख।
- (xvi) विभागीय वित्तीय नियम के नियम 8.1 से 8.2 तथा लेखा संहिता जिल्द III की मद 195 से 205 के अनुसार उपमण्डल अधिकारियों की लेखा विवरणियां।
- (xvii) लोक निर्माण विभाग संहिता के पैरा 4.1 से 4.6 में दिए गए अनुसार मस्टर रोल व मापक पुस्तिका के सम्बन्ध में प्रारम्भिक अभिलेखों का लेखा।
- (xviii) लोक निर्माण विभाग संहिता के पैरा 2.78 के ब्योरों के अनुसार कार्य आदेश तथा संविदाकारों के साथ करार।

पेपर नं. IV

औजार तथा संयन्त्र मिटटी हटाने वाली तथा सड़क निर्माण मशीनरी

अंक 100

1. मशीनरी जैसे रोड रोलर, तार बोईलर, कन्करीट मिस्चर, मोटर ग्रेडर, सी. फूट रोलर ट्रेकिंग इत्यादि के मूल कार्य सिद्धान्त तथा महत्वपूर्ण भाग तथा इन मशीनों में दिए जाने के लिए अपेक्षित स्नेहक तेल का विशिष्ट ग्रेड का ज्ञान सहित उनके कार्यों में अवलोकित की जाने वाली सामान्य पूर्वोपाय तथा गहयान्तर जिसके बाद स्नेहक तेल बदला जाना अपेक्षित हो। मशीनरी का साधारण रख-रखाव तथा सामान्य मुरम्मत।
2. उपरोक्त निर्दिष्ट विभिन्न सड़क निर्माण तथा मिटटी हटाने वाली मशीनरी में तेल, कोयला तथा स्नेहक तेल की खपत।
3. सरकारी जीप, सरकारी ट्रको, मोटर ग्रेडरो, कन्करीट मिक्चर तथा कन्करीट बायोबरेटर इत्यादि की लाग बुक।
4. भिन्न-भिन्न मशीनरी की कार्यक्षमता।
5. नये सर्विग तथा गणितीय उपकरणों का प्राकलन।
6. औजारों तथा संयंत्रों की मुरम्मत तथा परिवहन-व्यय का प्राकलन।

टिप्पण.—उपमण्डल अधिकारियों से व्यावहारिक अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए मशीनरी से सम्बन्धित केवल सामान्य प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

पेपर नं. 5

प्राकलन

अंक 100

भिन्न भिन्न स्पैसिफिकेशन के अनुसार भवन तथा सड़कों के रेट का रफ कस्ट एस्टीमेट तैयार करना। साधारण भवन, गलियां व नालियों, छोटे मोटे पुलों के विवरित प्राकलन में विश्लेषण करते हुए भिन्न दरों व मदों का विस्तृत विवरण ब्यौरा देना तथा कार्य की क्वालिटी व क्वाण्टिटि बारे भिन्न विस्तृत वांछित मदों का ब्यौरा दर्शाना और सड़क निर्माण कार्यों के एस्टीमेट तथा नक्शे व बिल तथा दरों के विश्लेषण तैयार करना। समतल व रोड़कारपेंटिंग इत्यादि की मात्राओं के बारे में विश्लेषण करते हुए प्राकलन तैयार करना।

उपमण्डल अभियन्ता (इलैक्ट्रीकल) की विभागीय परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम**पेपर संख्या. 1****इलैक्ट्रीकल सामग्री तथा अनुमान तथा लागत****अंक 100****विषय-वस्तु**

- (i) इलैक्ट्रीकल चिह्न तथा मानक
- (ii) तार, तार जोड़, समापन तथा तार औजार
- (iii) वायु संचार पंखे
- (iv) तार सामग्री
- (v) सर्किटिंग, प्रकाश तथा पंखा सर्किट
- (vi) प्रसारण सहित तथा के बिना एकल सर्किट
- (vii) अधिष्ठापन की जांच करना
- (viii) अधिक भार, सार्ट सर्किट तथा अर्थ फाल्ट के विरुद्ध संरक्षण
- (ix) भवनों परिकलन में प्रदीपन मोदाना
- (x) संवाहक आकार परिकलन
- (xi) अर्थिंग, इलैक्ट्रिक भाक, इलैक्ट्रिक अग्नि, अग्नि भामक उपकरण
- (xii) लाईटिंग के विरुद्ध भवन का संरक्षण
- (xiii) कन्ट्रोल पैनल बोर्ड का डिजाईन तथा ड्राईंग
- (xiv) सर्विस कनेक्शन लगाना तथा का अनुमान
- (xv) तीन फेस चार तार वितरण प्रणाली
- (xvi) एल. टी. लाइन, उप-केन्द्र तथा बिजली के लिए सर्विस कनेक्शन
- (xvii) भूमिगत केबल, स्थापना, अनुमान तथा गली विद्युत

पेपर संख्या. 2**इलैक्ट्रिकल संप्रेषण तथा वितरण****अंक 100****विषय-वस्तु**

एस.सी. तथा डी. सी संप्रेषण तथा वितरण प्रणाली का सामान्य नक्शा

- (i) विद्युत प्रणाली तथा प्रणाली नेटवर्क
- (ii) संप्रेषण दक्षता पर वोल्टेज का प्रभाव
- (iii) विभिन्न ऊपरी प्रणाली के लिए अपेक्षित संवाहक सामग्री की तुलना
- (iv) एकल तथा तीन फेस संप्रेषण लाइन की प्रतिघात तथा विद्युत धारिता
- (v) लघु एकल फेस तथा तीन फेस लाइन परिकलन कान्सहेन्ट
- (vi) विद्युत धारिता, प्रभामण्डल का प्रभाव
- (vii) ऊपरी तथा भूमिगत संप्रेषण इलैक्ट्रिक लाइनों का डिजाईन तथा स्थापना
- (viii) इलैक्ट्रिक मशीन जैसे कि मोटर, जरनेटर, ट्रॉसफारमर, इत्यादि की स्थापना, परिसंचालन, अनुरक्षण तथा मरम्मत। त्रुटियों तथा फाल्टों की अवस्थिति का चयन, मुल्यांकन।
- (ix) बैटरी का अनुरक्षण तथा मरम्मत
- (x) मोटर तथा जरनेटरों की वाईडिंग
- (xi) इलैक्ट्रिकल नियन्त्रण उपकरण जैसे कि स्टार्टर, सर्किट ब्रेकर, इत्यादि की मरम्मत
- (xii) इलैक्ट्रिकल संकेत उपकरण जैसे कि अमेटर, वोल्टमीटर, वाट मीटर इत्यादि का व्यासमापन तथा मरम्मत
- (xiii) तार का पृथक्करण, जांच तथा अर्थिंग, रूकावट, इलैक्ट्रिकल संयन्त्र, ट्रॉसफारमर तेल जांच
- (xiv) विद्युत का किफायती संप्रेषण तथा वितरण, इलैक्ट्रिकल निकासी तथा स्पैन की सीमाएं
- (xv) इलैक्ट्रिक केन्द्रों का नक्शा, स्थापना तथा संचालन
- (xvi) इलैक्ट्रिक संप्रेषण नियन्त्रण, नक्शा, स्थापना चयन तथा स्वीच गियर का कार्य

पेपर संख्या. 3

निदेशिका का आदेश, लेखा तथा कार्यालय प्रक्रिया

अंक 100

उम्मीदवारों को आदेश निर्देशिका में दिए गए अनुदेशों का ज्ञान होना चाहिए जो विशेष रूप से वे जो उपमण्डल अधिकारियों की भावियों तथा कर्तव्यों से सम्बन्धित हैं, इसके अतिरिक्त उन्हें निम्नलिखित लेखा मामलो का भी ज्ञान होना चाहिए:—

- (i) अग्रदाय नकद लेखा का रख-रखाव। क-3 अग्रदाय अस्थाई अग्रिम अस्थाई अग्रिम राशि, लेखा सहित जिल्द III की मद 86 से 88 तथा विभागीय वित्तीय नियम, पैरा 5.19 तथा 3.231 के लिए अग्रदाय नकद रोकड लिखना।
- (ii) प्ररूप पी. डब्ल्यू. ए. तथा प्ररूप डी. एफ. आर. (पी. डब्ल्यू.-26) में स्टाक प्राप्त करना तथा प्रेषण करना तथा प्रेषण हेतु अनुदेश लेखा संहिता जिल्द.1 मद 37.91 तथा 96 और विभागीय वित्तीय नियम, पैरा 6.3, 6.9 से 6.13 तक टिप्पण में अधिकथित किए गए हैं।
- (iii) विभागीय वित्तीय नियमों के पैराग्राफ 6.24 के अनुसार भण्डार प्रभारों की परिभाषा जहां उद्गृहीत है।
- (iv) प्राप्ति तथा प्रेषणों सी.सी पी.डब्ल्यू.ए प्ररूप 5 तथा 6 के मासिक सारांश तैयार करना तथा अनुदेश जो विभागीय वित्तीय नियम, पैरा 6.14 से 6.16 में दिए गए हैं, तथा प्ररूप पी.डब्ल्यू.ए 5 तथा 6 के अनुदेश 1 तथा 2 के अनुसार प्राप्तियों तथा प्रेषणों के मासिक सारांश दर्ज करना।
- (v) अनुदेश जो पंजाब वित्तीय नियम 6.18 तथा 6.21 व 6.25 में दिए गए हैं, के अनुसार स्टाक हेतु अर्थ वार्षिक अतिशेष विवरणी तैयार करना।
- (vi) विभागीय वित्तीय नियम 6.35, 6.36, 6.37 तथा डी.एफ.आर प्ररूप पी.डब्ल्यू.2, लेखा सहित जिल्द III मद 101, 102, 103 तथा लोक निर्माण विभाग सहित, पैरा 4.31 से 4.35 में दिए गए अनुसार स्टाक प्राप्त करना तथा लेखों का सत्यापन करना।
- (vii) विभागीय वित्तीय नियम 6.39, 6.41, 6.43, 6.44 तथा 6.45 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार प्ररूप एफ.डी.आर पी.डब्ल्यू.12 तथा 13 के औजारों तथा सयन्त्रण अनुरक्षण की प्राप्ति तथा प्रेषण।
- (viii) विभागीय वित्तीय नियमों के प्ररूप तथा पैरा 6.46 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार डी.एण्ड.पीडी.एफ आर प्ररूप पीडब्ल्यू 14 के रजिस्टर का रख-रखा तथा दर्ज काल किया जाए।
- (ix) विभागीय वित्तीय नियमों के पैरा 6.25 तथा 6.53 के अनुदेशों के अनुसार प्ररूप डीएफआर पीयू 10 के मान लेखा तैयार करना।
- (x) विभागीय वित्तीय नियम 7.12 तथा 7.13 में दिए गए प्ररूप डी. एफ. आर. (पी. डब्ल्यू) 10 तथा अनुदेशों के अनुसार मास्टररोल का भुगतान तथा अनुरक्षण।
- (xi) विभिन्न बिलो तथा बाउचर, प्ररूप अर्थात् विभागीय वित्तीय नियमों के पैरा 7.20 से 7.32 में दिए गए आदेशों के अनुसार प्रथम तथा अन्तिम बिलो, चालू लेखों तथा बिलो इत्यादि हेतु डीएफआर 22 से 26 का ज्ञान तथा उपयोग।
- (xii) प्ररूप डीएफआर पीडब्ल्यू 25 में तथा लेखा सहित जिल्द III मद-77 तथा विभागीय वित्तीय नियमों के पैरा 7.38, 7.39 व 7.40 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार वर्कचार्ज स्थापना को भुगतान करना तथा निस्तारण रोल तैयार करना।
- (xiii) इस प्ररूप में मुद्रित तथा विभागीय वित्तीय नियमों के नियम 7.2 से 7.61, 7.64 क ख , 7.65 से 7.80 तथा लेखा सहित जिल्द.3 , मद 126 से 129 में यथा निर्दिष्ट अनुदेशों के अनुसार प्ररूप डीआरएफ पीडब्ल्यू 30 तथा 31 में संकर्म तथा अनुरक्षण लेखा से सीधे सामग्रिया प्रेषित करना।
- (xiv) नियम 7.64 से 7.80 तक 7.64 (क) (ख) 7.65 से 7.80 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार प्ररूप पी.डब्ल्यू 10 से 11 में संकर्म सारांश तैयार करना।
- (xv) लेखा सहित जिल्द.3 के मद 155 से 165 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार मशीनरी तथा अन्य निर्माण संकर्मों हेतु पी.डब्ल्यू ए प्ररूप संख्या 15 में निर्माण लेखों की देख-रेख।
- (xvi) विभागीय वित्तीय नियमों के नियम 8.1 से 8.2 तथा लेखा सहित जिल्द प्प की मद 195 से 205 के अनुसार उपमण्डल अधिकारियों की लेखा विवरणिया।
- (xvii) लोक निर्माण विभाग सहित के पैरा 4.1 से 4.6 में दिए गए अनुसार मास्टर रोल तथा मापन पुस्तिका के सम्बन्ध में प्रारम्भिक अभिलेखों का लेखा।
- (xviii) लोक निर्माण विभाग सहित के पैरा 2.78 के ब्योरो के अनुसार कार्य आदेश तथा संविदाकारों के साथ करार।

पेपर संख्या. 4

विद्युत अधिनियम

अंक 50

विषय-वस्तु

- (i) राष्ट्रीय विद्युत नीति तथा योजना
- (ii) विद्युत उत्पादन
- (iii) लाईसेंसिंग
- (iv) विद्युत संप्रेषण
- (v) विद्युत वितरण
- (vi) टैरिफ
- (vii) संकर्म
- (viii) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण
- (ix) विनियामक आयोग
- (x) विद्युत अपील अधिकरण
- (xi) अन्वेषण तथा प्रवर्तन
- (xii) बोर्ड का पुनर्गठन
- (xiii) अपराध तथा शास्तियां
- (xiv) विशेष न्यायालय
- (xv) विवाद संकल्प
- (xvi) अन्य उपबन्ध

पेपर संख्या. 5

लोक निर्माण विभाग विशिष्टियां

अंक 100

विषय-वस्तु

राष्ट्रीय विद्युत संहिता, 1985, राष्ट्रीय भवन संहिता, 1983 तथा भारतीय भवनों के प्रत्येक किस्म के मानक तथा आई.एस. 732 की डिजाईनिंग को आधार के रूप में समझा जाएगा :-

- (i) विशिष्टियों का क्षेत्र
- (ii) परिभाषाएं
- (iii) ग्राफीकल चिह्न
- (iv) मानक मूल्य
- (v) इकाई तथा मापन की प्रणाली
- (vi) ड्राईंग
- (vii) मौलिक सिद्धान्त
- (viii) बिन्दुओं तथा वायरिंग की परिभाषा तथा मापन
- (ix) सामग्री का चयन
- (x) विद्युत उप-केन्द्र तथा वायरिंग स्थापना
- (xi) पी.वी.सी. इन्सुलेटिड बटन वायरिंग प्रणाली
- (xii) नाली वायरिंग प्रणाली
- (xiii) बर बार तथा बर बार चैम्बर
- (xiv) अर्थिंग
- (xv) बाहरी विद्युत स्थापना-भूमिगत केबल तथा गली विद्युत
- (xvi) विद्युत के विरुद्ध भवन संरक्षण
- (xvii) विद्युत नियन्त्रण पैनलों का निर्माण तथा स्थापना की प्रारम्भिक जांच
- (xviii) लिफ्ट तथा उत्थापक
- (xix) ऑडियो सिस्टम
- (xx) अग्नि अलार्म सिस्टम
- (xxi) टैलीफोन/टी.वी./इन्टरकोम
- (xxii) सुरक्षा उपाय

खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारियों की विभागीय परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम**पेपर संख्या. I****विकास तथा योजना**

- (क) ग्रामीण विकास, कृषि, बागवानी, वन, समाज कल्याण तथा सामयिक हरियाणा पंच वर्षीय योजना के गैर-परम्परागत उर्जा पर अध्याय =30
- (ख) 1. भारत के ग्रामीण विकास में अनुभव।
 2. भारत में सामुदायिक विकास कार्यक्रम, इसकी धारणा, दर्शनास्त्र, प्रगति सम्भावनाओं तथा उद्देश्यों का पुनर्विलोकन।
 3. विकास तथा पंचायत विभाग, हरियाणा द्वारा जारी सामुदायिक विकास निदेशिका।
 4. निम्नलिखित विभागों की मुख्य स्कीमें :-
 (क) साक्षरता सहित शिक्षा।
 (ख) कृषि
 (ग) समाज कल्याण
 (घ) वन
 (ङ) गैर-परम्परागत उर्जा
 (च.) पशु पालन = 50
- (ग) 1 गांव, खण्ड तथा जिला स्तर योजना की धारणा, क्षेत्र की पद्धति तथा तकनीक, योजना के उद्देश्य, स्थानीय साधनों तथा लोक भागीदारी का उपयोग
 2 ग्रामीण विकास से सम्बन्धित विभिन्न विभागों तथा संस्थाओं के बीच समन्वय तथा सभी तीनों स्तरों पर कर्मचारियों तथा गैर-कर्मचारियों के बीच समन्वय की धारणा। = 20

कुल = 100**पेपर संख्या. II****क - विकास तथा पंचायत विभाग के अधीन विकास स्कीम**

- (क) 1. राजस्व उपार्जन स्कीम
 2. समान (मैचिंग) अनुदान योजना
 3. मुख्य मन्त्री अनुसूचित जाति निर्मल बस्ती योजना
 4. महात्मा गांधी ग्रामीण बस्ती योजना
 5. पंचायती राज संस्थाओं (टी.एफ.सी.) को सहायता अनुदान
 6. हरियाणा ग्रामीण विकास निधि के अधीन स्कीमों का लागूकरण
 7. गांव स्कीम में विशेष विकास कार्य (एस.एफ.सी)
 8. पी.आर. आई के लिए वैंट पर अधिशुल्क
 9. राज्य वित्त आयोग अनुदान
- (ख) (1) ग्रामीण स्वास्थ्य तथा स्वच्छता, शिक्षा, ग्रामीण सड़क तथा संचार (सी.डी. स्कीम)
 (2) चौपालो का निर्माण/मरम्मत:
 (i) अनुसूचित जाति ;
 (ii) पिछड़े वर्ग ; तथा
 (iii) सामान्य वर्ग
 (3) कार्यालय भवनों का निर्माण:

- (i) खण्ड कार्यालय भवन ;
- (ii) जिला परिषद् भवन ।
- (4) एच. आई. आर. डी. नीलोखेडी की स्थापना
- (5) (क) सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान
- (ख) मुख्य मन्त्री स्वच्छता
- (6) एच. आर. डी. ए. को वित्तीय सहायता
- (7) गलियों के फर्श
- (8) स्वच्छता सुधार के लिए ग्राम पंचायतों को वित्तीय सहायता = 25

ख — ग्रामीण विकास विभाग के अधीन विकास स्कीम

- 1. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम (एम. जी. एन. आर. ई. जी. एस.)
- 2. इन्दिरा आवास योजना (आई. ए. वाई.)
- 3. मरुभूमि विकास कार्यक्रम (डी. डी. पी.)
- 4. समेकित बंजर भूमि विकास परियोजना (आई. डब्ल्यू. डी. पी.)
- 5. राष्ट्रीय सम विकास योजना (आर. एस. वी. वाई.)— अब पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि (बी. आर. जी. एफ.)
- 6. सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास स्कीम (एम. पी. एल. ए. डी. एस) = 25

ग — कृषि

- 1. राज्य में भूमि अनुकूलक (जिपसम) का प्रयोग ।
- 2. कृषि भूमि पर भू-संरक्षण तथा जल सम्बंधी प्रबंध ।
- 3. किसानों को प्रशिक्षण तथा शिक्षा ।
- 4. हरियाणा में फसल पैटर्न बदलना ।
- 5. हरियाणा में महत्वपूर्ण फसलें उगाना अर्थात् गेहूं, चना, मक्का, कपास, बाजरा, तेल बीज, दालें, गन्ना तथा धान इत्यादि । = 10

घ — सहकारिता

- 1. सहकारिता के सिद्धांत—आर्थिक संगठन के रूप में सहकारिता की प्रमुख विशेषताएं जो गैर-सरकारी तथा लोक उद्यम से भिन्न हैं— गति विधि के विभिन्न पहलुओं में हाल ही में हुआ विकास—अखिल भारतीय ग्रामीण उधार पुनरीक्षण समिति ।
- 2. फसल कर्जा पद्धति— इस की महत्वपूर्ण विशेषताएं :—
चैक पद्धति द्वारा अल्प अवधि कर्जों का वितरण, सदस्यों की अधिकतम उधार सीमा का नियतन जमा बाकी के साथ विपणन को जोड़ना । भू-राजस्व के बकायों के रूप में सहकारी बकायों की वसूली । ग्रामीण दस्तकारों तथा छोटे दुकानदारों को उनके रोजगार के लिए ऋण प्रदान करना तथा लघु तथा ग्रामीण औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए बेरोजगारों को ऋण प्रदान करना ।
- 3. दूध प्रदाय सोसायटियां, आय के अनुपूरक साधनों को उपलब्ध कराने में उनका महत्व — उनका संगठन तथा कृत्य ।
- 4. विपणन सोसायटिया तथा विभिन्न कृषि निवेशों तथा विपणन प्रक्रिया को गतिशील बनाने तथा फसलों के भण्डारण में उनकी भूमिका । = 10

ङ—जाब चार्ट

- 1. खण्ड विकास तथा पंचायत अधिकारी
- 2. सामाजिक शिक्षा तथा पंचायत अधिकारी
- 3. ग्राम सचिव
- 4. इजीनियरिंग विंग सहित अन्य खण्ड पदाधिकारी = 20

च

- 1. खादी आयोग का अध्याय — IV
- 2. ग्रामीण उद्योगों की हस्त-पुस्तिका = 10

पेपर संख्या. III**बजट तथा लेखे**

- (क) समय समय पर यथा संशोधित पंजाब सिविल सेवा नियम जिल्द I भाग — I के अध्याय I, II, III, IV, V, VII, तथा अध्याय के नियम 8.1, 8.4, 8.9, 8.13, से 8.20, 8.25, 8.26, 8.31, 8.36, 8.37, 8.42, से 8.47, 8.113 से 8.120, 8.133 से 8.140 तथा अध्याय 9 के नियम 9.1, 9.2, 9.4, 9.5, 9.8, 9.10, से 9.12, 9.18, 9.20 तथा अध्याय XV (केवल पूर्वगामी नियमों के अधीन प्रत्यायोजित शक्तियों से सम्बन्धित मर्दे) = 35
- (ख) पंजाब सिविल सेवा नियम, जिल्द III (यात्रा भत्ता नियम) = 20
- (ग) अध्याय— II (नियम 2.12 से 2.19, 2'36, 12.37 तथा अनुलग्नक के सिवाय) अध्याय V के नियम 5.15, 5.3, 5.6, 5.7 तथा 5.13, अध्याय— VI के नियम 6.1, 6.2, अध्याय VII (नियम 7.5 से 7.10 के सिवाय) अध्याय VIII, XVIII तथा XIV (केवल पंजाब वित्तीय नियम जिल्द—I के पूर्वगामी नियमों के अधीन प्रत्यायोजित शक्तियों से सम्बन्धित मर्दे) = 25
- (घ) पंजाब बजट निदेशिका (प्रथम संस्करण), 1966 के अध्याय 10, 11 तथा 12। = 20

कुल = 100**पेपर संख्या. IV****सहबद्ध अधिनियम**

1. यथा संशोधित हरियाणा नगरपालिका अधिनियम, 1973 (1973 का अधिनियम 24) तथा उसके अधीन बनाए गए नियम।
2. हरियाणा लोक परिसर और भूमि (बेदखली तथा किराया वसूली) अधिनियम, 1972 (1972 का अधिनियम 24)
3. हरियाणा भूमि जोत अधिकतम सीमा अधिनियम, 1972 (1972 का अधिनियम 26)
4. पंजाब भू-राजस्व अधिनियम, 1887 (1887 का अधिनियम 17)
5. पंजाब अभिधृति अधिनियम, 1887 (1887 का 17)
6. उत्तरी भारत, नौघाट अधिनियम, 1878 (1878 का 17)
7. पंजाब भू-घृति सुरक्षा अधिनियम, 1953 (1953 का अधिनियम 10) = 50

पंचायतें

1. हरियाणा पंचायती राज अधिनियम, 1994 (1994 का अधिनियम 11)
2. हरियाणा पंचायती राज नियम, 1995
3. हरियाणा पंचायती राज निर्वाचन नियम, 1994
4. यथा संशोधित पंजाब भामलात भूमि (विनियमन) अधिनियम, 1961 (1961 का अधिनियम 18) तथा इसके अधीन बनाए गए नियम।
5. यथा संशोधित हरियाणा पशु मेला अधिनियम, 1970 (1970 का अधिनियम 30) तथा इसके अधीन बनाए गए
6. हरियाणा ग्रामीण विकास निधि अधिनियम, 1983 (1983 का अधिनियम 12) = 50

विविध

1. हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 2016
2. नियमों सहित सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 (1955 का केन्द्रीय अधिनियम 22)
3. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908
4. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 = 50
5. हरियाणा सम्पत्ति विरूपण निवारण अधिनियम, 1989, (1990 का अधिनियम ii) = 150

नवराज संघु,
अपर मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
विकास तथा पंचायत विभाग।

HARYANA GOVERNMENT
DEVELOPMENT AND PANCHAYATS DEPARTMENT

Notification

The 16th September, 2016

No. GSR24/Const./Art-309.— In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India, the Governor of Haryana hereby makes the following rules regulating the recruitment and conditions of service of persons appointed to the Haryana Development and Panchayats Department (Group B) Service, namely :-

PART-I GENERAL

1. (1) These rules may be called the Haryana Development and Panchayats Department (Group B) Service Rules, 2016. Short title and applicability.
 (2) These rules shall apply to Group B officers of Directorate and field offices including the Engineering Wing, Rajiv Gandhi State Regional Institute of Panchayati Raj and Community Development.
2. In these rules, unless the context otherwise requires,— Definitions.
 - (a) “Commission” means the Haryana Public Service Commission;
 - (b) “direct recruitment” means an appointment made otherwise than by promotion from within the Service or by transfer of an official already in the service of the Government of India or any State Government;
 - (c) “Government” means the Government of the State of Haryana in the Administrative Department;
 - (d) “institution” means,—
 - (i) any institution established by law in force in the State of Haryana ; or
 - (ii) any other institution recognized by the Government for the purpose of these rules;
 - (e) “recognized University” means,—
 - (i) any university incorporated by law in India; or
 - (ii) any other university which has been declared recognized by the Government for the purpose of these rules; and
 - (f) “Service” means the Haryana Development and Panchayats Department, (Group B) Service.
3. The Service shall comprise the posts shown in Appendix A to these rules: Number and character of posts.
 Provided that nothing in these rules shall affect the inherent right of the Government to make additions to, or reductions in the number of such posts or to create new posts with different designations and scales of pay, either permanently or temporarily.
4. (1) No person shall be appointed to any post in the Service, unless he is,— Nationality, domicile and character of candidates appointed to Service.
 - (a) a citizen of India ; or
 - (b) a subject of Nepal ; or
 - (c) a subject of Bhutan :
 Provided that a person belonging to any of the categories (b) or (c) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government.
 (2) A person in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to an examination or interview conducted by the Commission but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government.
 (3) No person shall be appointed to any post in the Service by direct recruitment, unless he produces a certificate of character from the principal academic officer of the university, college, school or institution last attended, if any, and similar certificate from two other responsible persons, not being his relatives, who are well acquainted with him in his private life and are unconnected with his university, college, school or institution.

- Age. 5. No person shall be appointed to any post in the Service by direct recruitment who is less than twenty - one years or more than forty - two years of age, on the last date of submission of application to the Commission.
- Appointing authority 6. Appointments to the posts in the Service shall be made by the Government.
- Qualification 7. No person shall be appointed to any post in the Service, unless he is in possession of qualifications and experience specified in column 3 of Appendix B to these rules in the case of direct recruitment and those specified in column 4 of the aforesaid Appendix in the case of person appointed otherwise than by direct recruitment:
- Provided that in the case of appointment by direct recruitment, the qualifications regarding experience shall be relaxable to the extent of fifty percent at the discretion of the Commission in case sufficient number of candidates belonging to Scheduled Castes, Backward Classes, Other Backward Classes, Ex-servicemen and Physically Handicapped categories possessing the requisite experience, are not available to fill up the vacancies reserved for them, after recording reason for so doing in writing:
- Provided further that in the case of Sub Divisional Engineer, no person shall be appointed to the Service unless he,-
- (a) in case of appointment by direct recruitment, possesses a degree in the respective engineering discipline from a recognized university or from a institution approved by All India Council of Technical Education. The requisite qualifications shall be possessed by the candidate on or before the last day of submission of application to the Commission:
- Provided that no degree obtained through correspondence or distance education mode from any recognized university or institution shall be considered for appointment by any mode of recruitment to the Service. The degrees awarded must be approved by All India Council of Technical Education:
- Provided further that the candidates to be appointed for civil cadre shall be recruited with qualification in Civil Engineering, whereas candidate to be recruited in the Electrical cadre shall possess qualification in Electrical Engineering,
- (b) in case of an appointment by promotion from amongst degree-holder Junior Engineers, Circle Head Draftsmen, Head Draftsmen, Draftsmen, a candidate should have qualifications either as provided in clause (a) or have passed section A and B of the Associate Membership Examination of the Institution of Engineers.
- Disqualifications 8. No person -
- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living ; or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any post in the Service:
- Provided that Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.
- Method of recruitment . 9. (1) Recruitment to the Service shall be made,-
- (a) in case of Sub Divisionl Engineer (Civil),-
- (i) 50% by direct recruitment ; and
- (ii) 50% by promotion as under : -
- (a) 32% from amongst Diploma holder Junior Engineers (Civil);
- (b) 6% from amongst diploma holder Circle Head Draftsmen (Civil)/Head Draftsmen (Civil);
- (c) 11% from amongst degree holder Junior Engineers (Civil);and
- (d) 1% from amongst degree holder Circle Head Draftsmen (Civil), Head Draftsmen (Civil) and Draftsmen (Civil);

Note.— In case a vacancy occurs and a member of Draftsmen Service possessing qualifications prescribed in Appendix B is not readily available then that post shall be available to Junior Engineer possessing requisite qualifications and next available post shall be available to the member of the Draftsmen Service having qualifications prescribed in Appendix 'B'. But in doing so 1% quota for this cadre shall not exceed in any manner.

- (b) in case of Sub Divisional Engineer (Electrical);
 - (i) 50% by direct recruitment ;and
 - (ii) 50% by promotion as under : -
 - (a) 35% from amongst Junior Engineers (Electrical Diploma Holder); and
 - (b) 15% from amongst Junior Engineers (Electrical), who have a degree in Electrical Engineering from a recognized university;
- (c) in case of Block Development and Panchayat Officer,-
 - (i) 50% by direct recruitment; and
 - (ii) 50% by promotion from amongst Social Education and Panchayat Officers
- (d) in case of Lecturer (Rural Development),-
 - (i) by direct recruitment; or
 - (ii) By transfer or deputation of an officer already in the Service of State Government or Government of India
- (e) in case of Lecturer (Management and Planning),-
 - (i) by direct recruitment; or
 - (ii) By transfer or deputation of an officer already in the Service of State Government or Government of India
- (f) in case of Lecturer (Panchayati Raj),-
 - (i) by direct recruitment; or
 - (ii) By transfer or deputation of an officer already in the Service of State Government or Government of India
- (g) in case of Lecturer (Financial Management),-
 - (i) by direct recruitment; or
 - (ii) by transfer or deputation of an officer already in the Service of State Government or Government of India
- (h) in case of Lecturer (Health and Sanitation),-
 - (i) by direct recruitment; or
 - (ii) by transfer or deputation of an officer already in the Service of State Government or Government of India
- (i) in case of Lecturer (Information and Technology),-
 - (i) by direct recruitment; or
 - (ii) by transfer or deputation of an officer already in the Service of State Government or Government of India
- (j) in case of Assistant Director;
 - (i) by promotion from amongst Superintendents (Headquarter);
 - (ii) by transfer or deputation of an officer already in the Service of State Government or Government of India
- (k) in case of Superintendents (Headquarter),-
 - (i) By Promotion from amongst Deputy Superintendents (Headquarter);
 - (ii) by transfer or deputation of an officer already in the Service of State Government or Government of India

- (l) in case of Superintendents (Field),-
 - (i) by promotion from amongst Deputy Superintendents(Field); or
 - (ii) by transfer or deputation of an officer already in the Service of State Government or Government of India
- (m) in case of Research Officer,-
 - (i) by direct recruitment; or
 - (ii) by promotion from amongst Investigators; or
 - (iii) by transfer or deputation of an officer already in the Service of State Government or Government of India

(2) All promotions unless otherwise provided, shall be made on seniority -cum merit basis and seniority alone shall not confer any right to such promotion.

Training

10. There shall be training for the members of the Service to be appointed by direct recruitment to the following posts, namely:-

- (1) in case of Block Development and Panchayat Officer,-
 - (a) The member shall undergo training including computer proficiency for a period of two months at the State Institute of Panchayati Raj and Community Development;
 - (b) The member shall further undergo training for a period of forty - five days and during this period shall be posted as Additional Block Development and Panchayat Officer in a Block with a view to understand the working of the Block prior to independent posting in a Block;
 - (c) The member shall also be attached with the District Development and Panchayat Officer (Office of Deputy Commissioner) for thirty days to undergo training in different matters pertaining to the Development Department;
 - (d) The member shall also be attached with the Tehsildar of the District headquarters for another thirty days for undergoing training in revenue matters particularly about panchayat land;
 - (e) The member shall also be attached with Chief Executive Officer, District Rural Development Agency for fifteen days to undergo training in different matters pertaining to the Development Schemes.
- (2) In case of Sub Divisional Engineer;
 - (a) The member shall undergo training for a period of thirty days and shall be posted as Additional Sub Divisional Engineer in a Block with a view to understand the working of the block prior to his independent posting in a block;
 - (b) The member shall also be attached with the Executive Engineer at District Headquarter for thirty days to undergo training in different matters pertaining to the Executive Engineer's office;
 - (c) The member shall in addition be attached with the office of Chief Engineer's office for fifteen days;
 - (d) The member shall undergo training including computer proficiency for a period of fifteen days at the State Institute of Panchayati Raj and Community Development.

Probation.

11. (1) Persons appointed to any post in the Service shall remain on probation for a period of two years, if appointed by direct recruitment and one year, if appointed otherwise :

Provided that –

- (a) any period after such appointment spent on deputation on a corresponding or a higher post shall count towards the period of probation;
- (b) any period of work in equivalent or higher rank, prior to appointment to any post in the Service may, in the case of an appointment by transfer, at the discretion of the appointing authority, be allowed to count towards the period of probation fixed under this rule; and

- (c) any period of officiating appointment shall be reckoned as period spent on probation, but no person who has so officiated shall, on the completion of the prescribed period of probation, be entitled to be confirmed, unless he is appointed against a permanent vacancy.
- (2) If, in the opinion of the appointing authority, the work or conduct of a person during the period of probation is not satisfactory, it may, -
 - (a) if such person is appointed by direct recruitment, dispense with his services ; and
 - (b) if such person is appointed otherwise than by direct recruitment -
 - (i) revert him to his former post ; or
 - (ii) deal with him in such other manner as the terms and conditions of the previous appointment permit.
- (3) On the completion of the period of probation of a person, the appointing authority may -
 - (a) if his work or conduct has, in its opinion, been satisfactory, -
 - (i) confirm such person from the date of his appointment, if appointed against a permanent vacancy ; or
 - (ii) confirm such person from the date from which a permanent vacancy occurs, if appointed against a temporary vacancy ; or
 - (iii) declare that he has completed his probation satisfactorily, if there is no permanent vacancy ; or
 - (b) if his work or conduct has in its opinion, been not satisfactory, -
 - (i) dispense with his Service, if appointed by direct recruitment, if appointed otherwise, revert his to his former post or deal with him in such other manner as the terms and conditions of his previous appointment permit ; or
 - (ii) extend his period of probation and thereafter pass such order, as it could have passed on the expiry of the first period of probation :
 Provided that the total period of probation, including extension, if any, shall not exceed three years.

12. (1) Every member of Service appointed to the post of Sub Divisional Engineer and Block Development and Panchayat Officer, unless the member of Service has already passed the departmental examination, shall within two years from the date of his appointment to the Service, pass the departmental examination including computer proficiency test as specified in Appendix F to these rules:

Departmental
Examination

Provided that the Government may for reasons to be recorded in writing extend the period for passing the departmental examination by one year:

Provided further that the Government may exempt any Officer from passing the whole or any part of the departmental examination.

(2) If the member of Service fails to pass the departmental examination within the prescribed period of two years or within the extended period, if any, shall not earn future grade increments till such time he passes it;

(3) If the member passes the departmental examination after the prescribed period of two years from the date of his appointment or the extended period, he shall be entitled to increments following the last day on which the departmental examination is complete. The increments shall be released with retrospective effect from the date on it was otherwise due, but no arrear shall be paid for the past period.

(4) If the member fails to pass the departmental examination or any part thereof, and he is subsequently exempted by the Government from passing the departmental examination or any part thereof, as the case may be, his increment for that subsequent period to that within which the departmental examination was to be passed, shall be released from the date he is given such exemptions. The increment shall be released with retrospective effect from the date it was otherwise due, but no arrear shall be paid for the past period.

(5) If the member does not qualify the departmental examination within the prescribed period of two years or in extended period or not exempted from passing the departmental examination, or any part thereof, his services are liable to be terminated or reverted to his former post, if any, as the case may be.

Seniority

13. Seniority, inter se of the members of the Service shall be determined by the length of continuous service on any post in the Service:

Provided that where there are different cadres in the Service, the seniority shall be determined separately for each cadres:

Provided further that in the case of a member appointed by direct recruitment, the order of merit determined by the Commission, shall not be disturbed in fixing the seniority:

Provided further that in the case of two or more members appointed on the same date, their seniority shall be determined as follows :

- (a) a member appointed by direct recruitment shall be senior to a member appointed by promotion or by transfer ;
- (b) a member appointed by promotion shall be senior to a member appointed by transfer ;
- (c) in the case of a member appointed by promotion or by transfer, seniority shall be determined according to the seniority of such members in the appointments from which they were promoted or transferred ; and
- (d) in the case of members appointed by transfer from different cadres, their seniority shall be determined according to pay, preference being given to a member, who was drawing a higher rate of pay in his previous appointment; and if the rates of pay drawn are also the same, then by the length of their service in the appointment and if the length of such Service is also the same, the older member shall be senior to the younger member.

Liability to serve.

14. (1) A member of the Service shall be liable to serve at any place, whether within or outside the State of Haryana, on being ordered so to do by the appointing authority.

(2) A member of the Service may also be deputed to serve under -

- (i) a company, an association or a body of individuals whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the State Government or a Municipal Corporation or a local authority or university within the State of Haryana.
- (ii) the Central Government or a company, an association or a body of individuals, whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the Central Government ; or
- (iii) any other State Government, an international organization, an autonomous body not controlled by the Government or a private body :

Provided that no member of the Service shall be deputed to serve under the Central or any other State Government or any organization or body referred to in clause (ii) or (iii) except with his consent.

Pay, leave, pension and other matters

15. (1) In respect of pay, leave, pension and all other matters, not expressly provided for in these rules, the members of the Service shall be governed by such rules and regulations as may have been, or may hereafter be, adopted or made by the competent authority under the Constitution of India or under any law for the time being in force made by the State Legislature.

(2) A person who retires from Service or post shall be eligible to add to his service for superannuation pension (but not for any other class of pension) the actual period not exceeding one -fourth of the length of his service or the actual period by which his age at the time of recruitment exceeds twenty -five years or the actual period of five years ,whichever is less ,if the service or post to which he is appointed is one,-

- (a) for which post graduate research or specialist qualification or experience in scientific, technological or professional fields, is essential; and
- (b) to which candidates of more than twenty five years of age are normally recruited:

Provided that this concession shall not be admissible to a person if his actual qualifying service at the time he quits service is less than ten years:

Provided further that this concession shall be admissible only to a person who possess the aforesaid qualifications and is appointed by direct recruitment:

Provided further that this concession shall not be admissible to a person who is eligible for counting his past service of superannuation pension ,unless he opt before the date of his retirement ,the option once exercised shall be final ,for the weightage of service for going the counting of the past service .

16. (1) In matters relating to discipline, penalties and appeals, member of the Service shall be governed by the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 2016, as amended from time to time :

Discipline,
penalties and
appeals.

Provided that the nature of penalties which may be imposed, the authority empowered to impose such penalties and appellate authority shall, subject to the provisions of any law or rules made under article 309 of the Constitution of India, be such as are specified in Appendix C to these rules.

(2) The authority competent to pass an order under clause (c) or clause (d) of sub-rule (1) of rule 9 of the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 2016, and appellate authority shall be as specified in Appendix D to these rules.

17. Every member of the Service shall get himself vaccinated and revaccinated as and when Government so directs by a special or a general order.

Vaccination.

18. Every member of Service, unless he has already done so, shall be required to take the oath of allegiance to India and to the Constitution of India as by law established.

Oath of
allegiance.

19. Where the Government is of the opinion that it is necessary on expedient to do so, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

Power of
relaxation.

20. Notwithstanding anything contained in these rules, the appointing authority may impose special terms and conditions in the order of appointment if it is deemed expedient to do so.

Special
provisions.

21. Nothing contained in these rules shall effect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Castes, Backward Classes, Other Backward Classes, Ex-servicemen, Physically Handicapped persons or any other class or category of persons in accordance with the orders issued by the State Government in this regard from time to time.

Reservations.

22. The Haryana Development and Panchayats Department (Group B) Service Rules, 1988 and the Haryana Development and Panchayats Department, Panchayati Raj Engineering (Group B) Service Rules, 1998 are hereby repealed:

Repeal and
savings.

Provided that any order made or action taken under the rules so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these rules.

APPENDIX A*[See rule 3]*

Serial Number	Designation of post	Number of posts Permanent Temporary Total			Scale of Pay
1	2	3	4	5	6
1	Sub Divisional Engineer(Civil)	-	128	128	Pay Band-2 9300-34800+5400 G.P.
2	Sub Divisional Engineer (Electrical)	-	3	3	Pay Band-2 9300-34800+5400 G.P.
3	Block Development and Panchayat Officer	-	126	126	Pay Band-2 9300-34800+4600 G.P.
4	Lecturer (Rural Development)	1	1	2	Pay Band-2 9300-34800+4600 G.P.
5	Lecturer (Management and Planning)	1	1	2	Pay Band-2 9300-34800+4600 G.P.
6	Lecturer (Panchayati Raj)	1	1	2	Pay Band-2 9300-34800+4600 G.P.
7	Lecturer (Financial Management)	1	-	1	Pay Band-2 9300-34800+4600 G.P.
8	Lecturer (Health and Sanitation)	1	-	1	Pay Band-2 9300-34800+4600 G.P.
9	Lecturer (Information and Technology)	1	-	1	Pay Band-2 9300-34800+4600 G.P.
10	Assistant Director	2	-	2	Pay Band-2 9300-34800+4600 G.P.
11	Legal Officer	-	23	23	Pay Band-2 9300-34800+4200 G.P.
12	Superintendent (Headquarter)	5	1	6	Pay Band-2 9300-34800+4200 G.P.
13	Superintendent (Field)	4	-	4	Pay Band-2 9300-34800+4200 G.P.
14	Research Officer	-	1	1	Pay Band-2 9300-34800+3600 G.P.

Note 1.— Two posts of Account Officer being a cadre of Finance Department, shall be filled up from Finance Department, Haryana. Similarly, against one post of Lecturer (Accounts and Departmental Regulations), Accounts Officer having five years experience, from the Finance Department shall be got posted.

Note 2.— Out of twenty three posts of Legal Officers, the existing eight vacant posts of Legal Officer shall be converted into the post of Assistant District Attorney immediately and that of remaining occupied posts on vacation either due to retirement or promotion of the occupants shall be converted to the post District Attorney. Thus, twenty three posts of Assistant District Attorney, being a cadre of Prosecution Department, shall be filled up from the Prosecution Department Haryana.

APPENDIX B*[See rule 7]*

Serial Number	Designation of post	Academic qualifications and experience, if any, for direct recruitment	Academic qualifications and experience, if any, for appointment other than by direct recruitment
1	2	3	4
1.	Sub Divisional Engineer (Civil)	(i) Degree in Civil Engineering from a recognized University/Institution; and (ii) Hindi or Sanskrit upto Matric standard or in higher education.	By promotion from amongst diploma holder Junior Engineers (Civil); Ten year experience as Junior Engineer (Civil); By Promotion from amongst diploma holder Circle Head Draftsmen (Civil)/ Head Draftsmen (Civil); Ten year experience as Circle Head Draftsman (Civil)/Head Draftsman (Civil); By Promotion from amongst degree holder Junior Engineer (Civil); (i) Degree in Civil Engineering. (ii) Two years experience as Junior Engineer (Civil); By Promotion from amongst degree holder Circle Head Draftsmen (Civil)/ Head Draftsmen (Civil)/ Draftsmen (Civil); (i) Degree in Civil Engineering. (ii) Two years experience as Draftsman (Civil) or above
2.	Sub Divisional Engineer (Electrical)	(i) Degree in Electrical Engineering from a recognized University/Institute; (ii) Hindi or Sanskrit upto Matric	By Promotion from amongst diploma holder Junior Engineer (Electrical); Ten year experience as Junior Engineer (Electrical); By promotion from amongst degree holder Junior Engineer (Electrical); (i) Degree in Electrical Engineering. (ii) Two years experience as Junior Engineer (Electrical);`
3.	Block Development and Panchayat Officer	Through a competitive examination as specified in the Haryana Civil Services (Executive Branch) Rule, 2002.	By Promotion; (i) Graduate; (ii) Ten years experience as Social Education and Panchayat Officer
4.	Lecturer (Rural Development)	(i) Post-Graduation in Economics or Rural Development from recognized University with atleast 55% marks; (ii) Two Years experience in teaching or research in rural development. (iii) Hindi/Sanskrit upto Matric Standard or higher education;	By Transfer or deputation; (i) Post-Graduation in Economics or Rural Development from recognized University with atleast 55% marks; (ii) Hindi or Sanskrit upto Matric Standard or higher education; (iii) Two years experience as Lecturer (Rural Development).
5.	Lecturer	(i) Master of Business	By Transfer or deputation;

	(Management and Planning)	<p>Administration (Finance) or Post Graduation in Economics from recognized University with atleast 55% marks;</p> <p>(ii) Two years experience in teaching or research in management and planning;</p> <p>(iii) Hindi/Sanskrit upto Matric Standard or higher education.</p>	<p>(i) Master of Business Administration (Finance) or Post-Graduation in Economics from recognized University with at least 55% marks;</p> <p>(ii) Hindi or Sanskrit upto Matric Standard or higher education;</p> <p>(iii) Two years experience as Lecturer (Management & Planning).</p>
6.	Lecturer (Panchayati Raj)	<p>(i) Post-Graduation in Social Sciences from recognized University with atleast 55% marks</p> <p>(ii) Two years experience in teaching or research in Panchayati Raj.</p> <p>(iii) Hindi/Sanskrit upto Matric standard or higher education.</p>	<p>By Transfer or deputation;</p> <p>(i) Post-Graduation in Social Sciences from recognized University with atleast 55% marks;</p> <p>(ii) Hindi or Sanskrit upto Matric Standard or higher education;</p> <p>(iii) Two years experience as Lecturer (Panchayati Raj).</p>
7.	Lecturer (Financial Management)	<p>(i) Post-Graduation in Commerce or Chartered Accountant from recognized University/Institute with atleast 55% marks;</p> <p>(ii) Two years experience in Financial Management;</p> <p>(iii) Hindi/Sanskrit upto Matric standard or higher education.</p>	<p>By Transfer or deputation;</p> <p>(i) Post-Graduation in Commerce or Chartered Accountant from recognized University with atleast 55% marks;</p> <p>(ii) Hindi or Sanskrit upto Matric Standard or higher education;</p> <p>(ii) Two years experience as Lecturer(Financial Management).</p>
8.	Lecturer (Health and Sanitation)	<p>(i) M.Sc. in Home Science or Master of Social Work from recognized University with at least 55% marks;</p> <p>(ii) Two years experience in Rural Social Activities in the Field of Health & Sanitation;</p> <p>(iii) Hindi/Sanskrit upto Matric standard or higher education.</p>	<p>By Transfer or deputation;</p> <p>(i) M.Sc. in Home Science or Master Social Work from recognized University with at least 55% marks;</p> <p>(ii) Hindi or Sanskrit upto Matric Standard or higher education;</p> <p>(iii) Two years experience as Lecturer (Health & Sanitation)</p>
9.	Lecturer (Information and Technology)	<p>(i) Master of Technology in Computer Science or Information Technology from recognized University with at least 55% marks;</p> <p>(ii) Two years experience in teaching or research in Information and Technology;</p> <p>(iii) Hindi/Sanskrit upto Matric</p>	<p>By Transfer or deputation;</p> <p>(i) Master of Technology in Computer Science or Information Technology from recognized University with at least 55% marks;</p> <p>(ii) Hindi or Sanskrit upto Matric Standard or higher education;</p> <p>(iii) Two years experience as Lecturer (Information and Technology).</p>

		standard or higher education.	
10.	Assistant Director		<p>By Promotion: Two Years experience as Superintendent (headquarter);</p> <p>By Transfer or Deputation;</p> <p>(i) Two years experience as Assistant Director</p> <p>(ii) Hindi/Sanskrit upto Matric standard or higher education.</p>
11.	Superintendent (Headquarter)		<p>By Promotion: One year experience as Deputy Superintendent (Headquarter);</p> <p>By transfer or Deputation:</p> <p>(i) Two years experience as Superintendent.</p> <p>(ii) Hindi/Sanskrit upto Matric standard or higher education.</p>
12.	Superintendent (Field)		<p>By Promotion: One year experience as Deputy Superintendent (field)</p> <p>By transfer or Deputation:</p> <p>(i) Two years experience as Superintendent;</p> <p>(ii) Hindi/Sanskrit upto Matric standard or higher education</p>
13.	Research Officer	<p>(i) Graduate in Economics or Statistics from any recognized University with at least 55% marks;</p> <p>(ii) Two years experience in collection and compilation of statistical data;</p> <p>(iii) Hindi/Sanskrit upto Matric standard or higher education.</p>	<p>By Promotion: Five years experience as Investigator;</p> <p>By transfer or Deputation:</p> <p>(i) Two years experience as Research Office;</p> <p>(ii) Hindi/Sanskrit upto Matric standard or higher education.</p>

APPENDIX C*[See rule 16(1)]*

Serial Number	Designation of Posts	Appointing Authority	Nature of penalty	Authority empowered to impose Penalty
1	2	3	4	5
1.	Sub Divisional Engineer (Civil)	Government	Minor Penalties: (i) warning with a copy on the personal file; (ii) censure; (iii) withholding of promotion for a specified period upto one year; (iv) recovery from pay of the whole or part of any pecuniary loss caused by negligence or breach of orders to the Central Government or a State Government or to a company and association or a body of individual whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the Government or to a local authority set up by an Act of Parliament or of the Legislature of a State; and (v) withholding of increment(s) of pay without cumulative effect; Major Penalties: (i) withholding of increment(s) of pay with cumulative effect; (ii) withholding of promotion for a specified period more than one year; (iii) reduction to a lower stage in the payband or pay scale for a specified period, with the specific directions as to whether normal increment shall be admissible or not during the currency of the specified period of reduction, and further, whether on the expiry of the period of reduction his pay is to be restored or not. (iv) reduction to a lower pay structure, post or service for a period of more than one year from which he has been promoted which shall ordinarily be a bar to the promotion of the Government employee to the pay structure, post or service from which he was reduced, with or without further directions regarding conditions of restoration to the pay structure, post or service from which the Government employee was reduced and his seniority and pay on such restoration to that pay structure, post or service; (v) compulsory retirement; (vi) removal from service. (vii) dismissal from service.	Government
2.	Sub Divisional Engineer (Electrical)			
3.	Block Development and Panchayat Officer			
4.	Lecturer (Rural Development)			
5.	Lecturer (Management and Planning)			
6.	Lecturer (Panchayati Raj)			
7.	Lecturer (Financial Management)			
8.	Lecturer (Health and Sanitation)			
9.	Lecturer Information and Technology			
10.	Assistant Director			
11.	Legal Officer			
12.	Superintendent (Headquarter)			
13.	Superintendent (Field)			
14.	Research Officer			

APPENDIX D*[See rule 16(2)]*

Sr. No.	Designation of Posts	Nature of order	Authority empowered to make the order
1	2	3	4
1	Sub Divisional Engineer (Civil)	(i) reducing or withholding the amount of ordinary or additional pension admissible under the rules governing pension; (ii) terminating the appointment of a member of the Service otherwise than on his attaining the age fixed for superannuation.	Government
2	Sub Divisional Engineer (Electrical)		
3	Block Development and Panchayat Officer		
4	Lecturer (Rural Development)		
5	Lecturer (Management and Planning)		
6	Lecturer (Panchayati Raj)		
7	Lecturer (Financial Management)		
8	Lecturer (Health and Sanitation)		
9	Lecturer (Information and Technology)		
10	Assistant Director		
11	Legal Officer		
12	Superintendent (Headquarter)		
13	Superintendent (Field)		
14	Research Officer Research		

APPENDIX E*[See rule 9(i)]***Method of recruitment out of the lot of 100 vacancies in case of Sub Divisional Engineers (Civil)**

Serial Number	Method of recruitment	Proportion	Allocation of each source in the lot of 100 vacancies.
1	2	3	4
1.	Direct appointment	50%	1 to 5, 13 to 16, 21 to 25, 32 to 36, 41 to 45, 52 to 55, 62 to 66, 72 to 77, 81 to 86 and 93 to 97.
2.	Promotion from the diploma holder Junior Engineers (Civil)	32%	6, 8, 9, 12, 17, 19, 20, 26, 28, 29, 31, 37, 39, 40, 46, 48, 49, 51, 56, 58, 59, 61, 68, 69, 71, 79, 80, 88, 89, 92, 99 and 100.
3.	Promotion from Diploma Holders Circle Head Draftsmen, (Civil)/Head Draftsmen, (Civil)	6%	11, 30, 50, 60, 70, 91
4.	Promotion from the Degree Holders Junior Engineers,	11%	7, 10, 18, 27, 38, 47, 57, 67, 78, 87 and 90
5.	Promotion from Degree Holders Circle Head Draftsmen, (Civil)/Head Draftsmen, (Civil)/Draftsmen (Civil)	1%	98

Method of recruitment out of the lot of 100 vacancies in case of Sub Divisional Engineers (Electrical)

Serial Number	Method of recruitment	Proportion	Allocation of each source in the lot of 100 vacancies.
1	2	3	4
1.	Direct appointment	50%	1 to 5, 13 to 16, 21 to 25, 32 to 36, 41 to 45, 52 to 55, 62 to 66, 72 to 77, 81 to 86 and 93 to 97.
2.	Promotion from the diploma holder Junior Engineers (Electrical)	35%	6, 8, 9, 11, 12, 17, 19, 20, 26, 28, 29, 31, 37, 39, 40, 46, 48, 49, 50, 51, 56, 58, 59, 61, 68, 69, 70, 71, 79, 80, 88, 89, 92, 99 and 100.
3.	Promotion from Degree holder Junior Engineers 15% (Electrical)	15%	7, 10, 18, 27, 38, 47, 57, 60, 67, 78, 87, 90, 91 and 98

Method of recruitment out of the lot of 100 vacancies in the case of Block Development and Panchayats Officers

Serial Number	Method of recruitment	Proportion	Allocation of each source in the lot of 100 vacancies.
1	2	3	4
1.	Direct appointment	50%	1 to 5, 13 to 16, 21 to 25, 32 to 36, 41 to 45, 52 to 55, 62 to 66, 72 to 77, 81 to 86 and 93 to 97.
2.	Promotion from Social Education and Panchayat Officer	50%	6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 17, 18, 19, 20, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 37, 38, 39, 40, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 67, 68, 69, 70, 71, 78, 79, 80, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 98, 99 and 100.

APPENDIX F*[See rule 12]***Rules for Departmental Examination**

1. A Departmental Examination for the members of Service appointed to the post of Sub Divisional Officer Civil and Electrical and Block Development and Panchayats Officer shall be held twice a year in the month of April and November or such other months as may be notified. The exact date and place of the Examination shall be notified in the Haryana Government Gazette.
2. The Examination shall be conducted by the Central Committee of the Examinations, Haryana.
3. The papers shall be set, answers examined and marks awarded by the Examiners of Haryana Government.
4. The Answer Books for the candidates shall be forwarded by the Secretary, Central Committee of the Examination, Haryana to the Examiner appointed. The Examiner shall submit under a sealed cover their award of marks, alongwith the answer book in original to the Secretary, Central Committee of the Examination, Haryana, within two weeks from the date on which the Examination closes. The Secretary shall fill in the name of Examiner in the award statements and forward them to the Secretary, Development and Panchayats Department who shall compile the result. After each examination the names of successful candidates shall be published in the Haryana Government Gazette.
5. To pass the examination, it shall be necessary for a candidate to secure the minimum 50% marks in each papers.
6. A paper of three hours shall be set on each of the subjects for the Departmental Examination.
7. The Syllabus of Departmental Examination described hereunder can be modified/altered by the Government from time to time.

SYLLABUS FOR THE DEPARTMENTAL EXAMINATION OF SUB DIVISIONAL ENGINEER (CIVIL)**PAPER NO. 1****P.W.D. SPECIFICATIONS****100 MARKS**

Candidates should have good grasp and understading of specifications for various materials and various items of work as laid down in Hand Book of PWD specification. They should be able to reproduce the main points of the specifications and to answer questions based on the Book of specifications.

PAPER NO. 2**DESIGN****50 MARKS**

The design of simple 100 slabs, rectangular beams with special emphasis on detailing of reinforcement of the above structural members.

- (i) Details of reinforcement in columns, pedestals and position and shape of stirrups in columns and beams.
- (ii) Details of reinforcement at junction of columns and beams.
- (iii) Details of hooks, overlaps and position of overlaps.
- (iv) Location of construction joints in RCC Members of Buildigns and bridges.
- (v) Size of RCC battons, wooden battons and R.S. joints for various spans for common sizes of rooms.
- (vi) The section of masonry retaining walls for various heights or abutments.

Note.— Design calculations may be restricted to simple R.C.C. slab with limitation to one question carrying about 20% marks and the rest shall deal with the other details connected with practical aspects of construction.

PAPE NO. 3**MANUAL ORDERS,
ACCOUNTS AND OFFICE,
PROCEDURE****100 MARKS**

The Candidate should have a knowledge of the instructions in the Manual of Orders specially these concerning powers and duties of Sub Divisional Officers. In additions they should have a knowledge of the following account matters :-

- (i) Maintaining imp rest cah account, writing of imp rest cash book in for IA-3 temporary advances of imp rest and temporary imp rest (D.F.R. para 5.19 and 3.23 of Accounts Code Volume-III Articles 86 to 88 and Punjab Financial rules Vol-I paragraph 2.9)
- (ii) Receipt and issue of stock in form PWA and form D.F.R. (P.W.) 26. Instructions for receipt and issue of stock have been laid down in D.F.R. Paragraph 6.3, 6.9 to 6.13 Accounts Code Volume-I Articles 37.91 and 96 with notes.
- (ii) Definition of storage charges where levied as per paragraph 6.24 of Departmental Financial Rules.
- (iii) Monthly abstract of receipt and issues c/c. (PWA Forms 5 & 6) preparation and posting of monthly abstracts of receipts and issues instructions for which are given in D.F.R. 6.14 to 6.16 and as per instructions 1 and 2 of form PWA 5 & 6.
- (iv) Preparation of half yearly balance return for stock in Form DFR (PW) 9 instructions for which are given in PFR 6.17, 6.18, 6.21 and 6.25.
- (v) Stock taking and verification of accounts as given in DFR 6.35, 6.36, 6.37 and instructions No.6 of DFR From (PW) II, Accounts Code Vol-III Articles 101, 102, 103 and PWD Code Paragraph 4.31 to 4.35.
- (vi) Receipt and issue of Tools and Plant Maintenance of Form DFR (PW) 12 and 13 as per instructions given in DFR 6.39, 6.41, 6.43, 6.44 to 6.45.
- (vii) How to maintain and post register of T & P DFR Form (PW) 14 As per instructions given in the form and in paragraph 6.46 of D.F.R.
- (viii) Preparations of Scale Account of Form DFR (PU) 10 as per instructions of DFR Paragraph 6.25 and 6.53.
- (ix) Payment to and up-keep of muster rolls Form DFR (PW) 18 and instructions given in DFR 7.12 and 7.13.
- (x) Knowledge and use of various Bills and Voucher Forms i.e. DFR (PW) 22 to 26 for first and final bills, running account and bills etc. As per instructions given in paragraphs 7.20 to 7.32 of DFR.

- (xi) Payment to work charge establishment and preparation of acquittance rolls in Form DFR (PW) 25 and as per instructions given in Account Code Volume-III Article 7.20 to 7.32 of DFR.
- (xii) Issue of materials direct to works and maintaining account in Forms DFR (PW) 30 and 31. As per instructions printed in this form and as contained in rules 7.2 to 7.61, 7.64 (a) (b), 7.65 to 7.80 of DFR and of Account code Volume-III Articles 126 to 129.
- (xiii) Preparation of work abstract in form PWA 10 to 11 as per instructions given in rules 7.64 to 7.80 of 7.64 (a)(b), 7.65 to 7.80.
- (xiv) Keeping of manufacture Accounts in PWA Form No.15 for Machinery and other manufacture works as per instructions contained in Articles 155 to 163 of Accounts Code Vol-III.
- (xv) Account returns of Sub Divisional Officer as per rules 8.1 to 8.2 of DFR and Articles 195 to 205 of Account Code Vol-III.
- (xvi) Initial records of account regarding in muster rolls and Measurement Books and given in paragraph 4.1 to 4.6 of PWD Code.
- (xvii) Work orders and agreement with contractors as details in paragraph 2.78 of PWD Code.

PAPER NO. IV

MAINTENANCE OF T&P, EARTH MOVING AND ROAD MAKING MACHINERY

100 Marks

1. Basic working principles and important parts of machinery like road rollers Tar Boilers, Concrete Mixers, Motor Graders, Sheep-foot rollers, Trucks etc. and general precautions to be observed in their working along with a knowledge of particulars grade of lubricants required to be send these machines and also intervals after which the lubrications are required to be changed. Simple maintenance and general up-keep of machinery.
2. Consumption of oil, coal and lubricants in various road making and earth moving machinery referred to above.
3. Log Books of Government Jeeps, Government Trucks, Motor Graders, Concrete Mixers and Concrete Vibrators etc.
4. Out-put of different machinery.
5. Estimate of new surveying and mathematical instruments.
6. Estimate of repairs and carriage of T & P.

Note.— Only simple question machinery taking into consideration the practical requirements from Sub-Divisional Officers may be asked.

PAPER NO.V

ESTIMATE

100 MARKS

Preparation of rough cost estimates of buildings plinth area rates with different specifications. Detailed estimate for simple building, culver and small bridges analysis of rates of items of work involved in building, road and bridge work. Qualities of materials as required for various items of work. Preparation estimates for road constructions in plains and in hills with analysis of rates. Estimating quantities for widening roads, surface, painting and carpeting.

**SYLLABUS FOR THE DEPARTMENTAL EXAMINATION OF SUB DIVISIONAL ENGINEER
(ELECTRICAL)****PAPER NO. 1****ELECTRICAL MATERIAL****MARKS 100****AND****ESTIMATING AND COSTING****CONTENTS**

- (i) Electrical Symbols And Standards
- (ii) Wires, Wires Joints, Termination And Wiring Tools
- (iii) Air Circulating Fans
- (iv) Wiring Materials
- (v) Circulating, Light And Fan Circuits
- (vi) Signal Circuits With And Without Relay
- (vii) Testing Of Installation
- (viii) Protection Against Overload, Short Circuit And Earth Faults
- (ix) Illumination Schemes in Buildings And Calculation
- (x) Conductor Size Calculation
- (xi) Earthing, Electric Shock, Electric Fire, Fire Fighting Equipment
- (xii) Protection Of Buildings Against Lighting
- (xiii) Design And Drawing Of Control Panel Boards
- (xiv) Installation And Estimates Of Service Connection
- (xv) Three Phase Four Wire Distribution System
- (xvi) Estimate For L.T Line. Sub Station And Service Connection For Power
- (xvii) Underground Cables, Installations, Estimates And Street Lighting

PAPER NO.2**ELECTRICAL TRANSMISSION****MARKS 100****AND DISTRIBUTION****CONTENTS**

- (i) General Layout Of The A.C. and D.C. Transmission And Distribution System.
- (ii) Power Systems And System Networks.
- (iii) Effect Of Voltage On Transmission Efficiency
- (iv) Comparison Of Conductor Materials Required For Various Over Head Systems
- (v) Reactance And Capacitance Of Single And Three Phase Transmission Line
- (vi) Short Single Phase And Three Phase Line Calculation Constants
- (vii) Design And Installation Of Overhead And Underground Transmission Electric Lines.
- (viii) Design And Installation Of Overhead And Underground Transmission Electric Lines.
- (ix) Installation, Operation, Maintenance And Repairs To Electric Machines, Such As Motors, Generators, Transformers, Etc. Selection. Evaluation Of Defects And Location Of Faults.
- (x) Maintenance And Repair And Batteries.
- (xi) Winding Of Motors And Generators.
- (xii) Repairs Of Electric Control Equipment, Such As Starters, Circuit Breakers, Etc.
- (xiii) Calibration And Repair Of Electrical Indicating Instruments. Such As Ammeter, Voltmeter, Watt meters, Etc.
- (xiv) Insulation Test Of Wiring. Testing And Earthing. Resistance. Electric Plant. Transformer Oil Testing.
- (xv) Economical Transmission And Distribution Of Electricity, Limitations Of Electrical Clearances And Spans.
- (xvi) Layout, Installation And Operation Of Electric Substations.
- (xvii) Electric Distribution Control, Layout, Selection Installation And Working Of Switch Gear.

PAPER NO. 3**MANUAL ORDERS,
ACCOUNTS AND
OFFICE PROCEDURE****MARKS 100****CONTENTS**

The Candidate should have a knowledge of the instructions in the Manual of Orders specially these concerning powers and duties of Sub Divisional Officers. In additions they should have a knowledge of the following account matters :-

- i. Maintaining imp rest cash account writing of imp rest cash book in for IA-3 temporary advances of imp rest and temporary imp rest (D.F.R. para 5.19 and 3.23 of Accounts Code Volume-III Articles 86 to 88 and Punjab Financial Rules Vol-I paragraph 2.9)
- ii. Receipt and issue of stock in form PWA and form D.F.R. (P.W.) 26. Instructions for receipt and issue of stock have been laid down in D.F.R. Paragraph 6.3, 6.9 to 6.13 Accounts Code Volume-I Articles 37.91 and 96 with notes.
- iii. Definition of storage charges and where levied as per paragraph 6.24 of Departmental Financial Rules.
- iv. Monthly abstract of receipt and issues c/c. (PWA Forms 5 & 6) preparation and posting of monthly abstracts of receipts and issues instructions for which are given in D.F.R. 6.14 to 6.16 and as per instructions 1 and 2 of form PWA 5 & 6.
- v. Preparation of half yearly balance return for stock in Form DFR (PW) 9 instructions for which are given in PFR 6.17, 6.18, 6.21 and 6.25.
- vi. Stock taking and verification of accounts as given in DFR 6.35, 6.36, 6.37 and instructions No.6 of DFR From (PW) II, Accounts Code Vol-III Articles 101, 102, 103 and PWD Code Paragraph 4.31, 4.35.
- vii. Receipt and issue of Tools and Plant Maintenance of Form DFR (PW) 12 and 13 as per instructions given in DFR 6.39, 6.41, 6.43, 6.44 to 6.45.
- viii. How to maintain and post register of T & P DFR Form (PW) 14 As per instructions given in form and in paragraph 6.46 of D.F.R.
- ix. Preparations of Scale Account of Form DFR (PU) 10 as per instructions of DFR Paragraph 6.25 and 6.53.
- x. Payment to and up-keep of muster rolls Form DFR (PW) 18 and instructions given in DFR 7.12 and 7.13.
- xi. Knowledge and use of various Bills and Voucher Forms i.e. DFR (PW) 22 to 26 for first and final bills, running account and bills etc. As per instructions given in paragraphs 7.20 to 7.32 of DFR.
- xii. Payment to work charge establishment and preparation of acquittance rolls in Form DFR (PW) 25 and as per instructions given in Account Code Volume-III Article 77 and paragraphs 7.38, 7.39 and 7.40 of D.F.R.
- xiii. Issue of materials direct to works and maintaining account in Forms DFR(PW) 30 and 31. As per instructions printed in this form and as contained in rules 7.2 to 7.61, 7.64 (a)(b), 7.65 to 7.80 of DFR and of Account code Volume-III Articles 126 to 129.
- xiv. Preparation of work abstract in form PWA 10 to 11 as per instructions given in rules 7.64 to 7.80 to 7.64(a) (b), 7.65 to 7.80.
- xv. Keeping of manufacture Accounts in PWA Form No.15 for Machinery and other manufacture works as per instructions contained in Articles 155 to 163 of Accounts Code Vol-III.
- xvi. Account returns of Sub Divisional Officers as per rules 8.1 to 8.2 of DFR and Articles 195 to 205 of Account Code Vol-III.
- xvii. Initial records of account regarding in muster rolls and Measurement Books and given in paragraph 4.1 to 4.6 of PWD Code.
- xviii. Work orders and agreement with contractors as details in paragraph 2.78 of PWD Code.

PAPER NO. 4**ELECTRICITY ACT****MARKS 50****CONTENTS**

- (i) National Electricity Policy And Plan
- (ii) Generation Of Electricity
- (iii) Licensing
- (iv) Transmission Of Electricity
- (v) Distribution Of Electricity
- (vi) Tariff
- (vii) Works
- (viii) Central Electricity/Authority
- (ix) Regulatory Commissions
- (x) Appellate Tribunal For Electricity
- (xi) Investigation And Enforcement
- (xii) Reorganization Of Board
- (xiii) Offences And Penalties
- (xiv) Special Courts
- (xv) Other Provisions

PAPER NO. 5**P.W.D. SPECIFICATIONS****MARKS 100****CONTENTS**

For Designing National Electric Code 1985, National Building Code 1983 And Indian Standard Of Each Type Of Buildings And Is 732 shall be treated As Base.

- (i) Scope Of Specifications
- (ii) Definitions
- (iii) Graphical Symbols
- (iv) Standard Values
- (v) Units And Systems Of Measurements
- (vi) Drawings
- (vii) Fundamental Principles
- (viii) Definition And Measurements Of Points And Wiring
- (ix) Selection Of Materials
- (x) Electrical Sub-Station And Wiring Installation
- (xi) Pvc insulated Batten Wiring Systems
- (xii) Conduit Wiring System
- (xiii) Bus Bars And Bus Bar Chambers
- (xiv) Earthing
- (xv) External Electrical Installation-Underground Cable And Street Lighting
- (xvi) Protection Of Buildings Against Lightning
- (xvii) Erection And Initial Testing Of Installation Of Electrical Control Panels
- (xviii) Lifts And Elevators
- (xix) Audio Systems
- (xx) Fire Alarm Systems
- (xxi) Telephone/T.V./Intercom
- (xxii) Safety Measures

SYALLABUS FOR THE DEPARTMENTAL EXAMINATION OF BLOCK DEVELOPMENT AND PANCHAYATS OFFICERS**PAPER-1****DEVELOPMENT AND PLANNING**

- (a) Chapter on Rural Development, Agriculture, Horticulture, Forest, Social Welfare and Non-Conventional Energy of current Haryana Five Year Plan. =30
- (b) (1) Experience in Rural Development in India.
 (2) Community Development Programme in India, its concept, philosophy review of progress prospectus and objects.
 (3) Manual of Community Development issued by the Department of Development and Panchayats, Haryana.
 (4) Main Scheme of the following Departments :-
 (a) Educational including literacy
 (b) Agriculture
 (c) Social Welfare
 (d) Forest
 (e) Non-Conventional Energy
 (f) Animal Husbandary =50
- (c) (1) Concept of village, Block and District levels planning, Methods and techniques of Area, Objectives of Planning, Utilization of local resources and peoples participation.
 (2) Concept of Co-ordination between various Departments and instructions concerned to Rural Development and Co-ordination between Officials and Non-officials at all the three levels. =20

Total =100**PAPER-II****A — Development Schemes under Development and Panchayats Department**

- (a) (1) Revenue Earning Scheme
 (2) Matching Grant Scheme
 (3) Mukhya Mantri Anusuchit Jaati Nirmal Basti Yojna
 (4) Mahatama Gandhi Gramin Basti Yojana
 (5) Grant-in-aid to Panchayati Raj Institutions (TFC)
 (6) Implementation of schemes under Haryana Rural Development Funds
 (7) Special Development Works in village Scheme (SFC)
 (8) Surcharge on VAT for PRIs
 (9) State Finance Commission grants.
- (b) (1) Rural Health and Sanitation, Education, Rural Roads and Communication (CD Scheme)
 (2) Construction/repair of Chaupals:
 (i) Anusuchit Jaati;
 (ii) Backward Class; and
 (iii) General Class
 (3) Construction of Office Buildings :
 (i) Block Office Buildings;
 (ii) Zila Parishad Buildings.
 (4) Setting up of HIRD, Nilokheri
 (5) (a) Total Sanitation Campaign
 (b) Mukhya Mantri Sanitation
 (6) Financial Assistance to HRDA
 (7) Pavement of Streets
 (8) Financial Assistance to Gram Panchayats for improving sanitation =25

B — Development Schemes under Rural Development Department

1. Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme (MGNREGS)
2. Indira Awaas Yojana (IAY)
3. Desert Development Programme (DDP)
4. Integrated Wasteland Development Projects (IWDP)
5. Rashtriya Sam Vikas Yojana (RSVY)-Now Backward Region Grant Fund (BRGF)
6. Members of Parliament Local Area Development Scheme (MPLADS) =25

C — Agriculture

1. Use of Soll Conditioner (Gypsum) in the State
2. Soil Conservation and Water Management on Agriculture Lands
3. Training and Education of farmers
4. Changing Crop Pattern in Haryana
5. Important Crops grown in Haryana viz, Wheat, Gram, Maize, Cotton, Bajra, Oils Seeds, Pulses, Surarcane and Paddy etc. =10

D — Co-Operation

- (1) Principles of Co-operation characteristic features of co-operation as form of economic organization, as distinguished from private and public enterprise. Record development in different of the movement -All India Rural Credit Review Committee.
- (2) Crop loan systems and its important features :-Distribution of shrot term loans through cheque system, fixation of M.C.I. of members, linking marketing with credit. Recovery of Co-operative arrears as arrears of land revenue. To grant loan to rural artisans and small shopkeepers for their employment and advancement of loan to un-employed for establishment of small and village Industrial Units.
- (3) Milk supply societies their importance in providing supplementary sources of income-their organization and functions.
- (4) Marketing societies and their role in mobilizing of different agricultural investments and marketing processing and storage of crops. =10

E — Job Chart

- (1) Block Development and Panchayati Officers
- (2) Social Education and Panchayat Officers
- (3) Gram Sachivs
- (5) Other Block functionaries, including Engineering Wing =20

F

- (1) Chapter IV of Khadi Commission
- (6) Hand-Book on village industries =10

Paper-III**BUDGET AND ACCOUNTS**

- (a) Chapters I, II, III, IV, V, Vii AND Rules 8.1, 8.4, 8.9, 8.13 to 8.20, 8.25, 8.26, 8.31, 8.36, 8.37, 8.42 to 8.47, 8.113 to 8.120, 8.133 to 8.140 to Chaper VIII and Rules 9.1, 9.2, 9.4, 9.5, 9.8, 9.10 to 9.12, 9.18, 9.20 of Chapter IX and chapter xv (only items relating to the powers delegated under the foregoing rules) of the Punjab Civil Services Rules Volume-I, Part-I, as amended from time to time. =35
- (b) Haryana Civil Services Rules, Volume III (Travelling Allowance Rules) =20
- (c) Chapter II (Except rules 2.12 to 2.19, 2.36, 2.37 and Annexure C) Rules 5.15, 5.3, 5.6, 5.7 and 5.13 of Chapter V, rule 6.1, 6.2 of Chapter VI, Chapter VII (except rule 7.5 to 7.10) Chapter VIII, XVIII and XIV (only items relating to the powers delegated under the foregoing rules of the Punjab Financial Rules, Volume-I) =25
- (d) Chapter 10, 11 and 12 of the Punjab Budget Manual (First Edition), 1966 =20

Total =100

Paper - IV**ALLIED ACTS**

1. The Haryana Municipal Act, 1973 (Act 24 of 1973), as amended and rules framed thereunder
2. The Haryana Public Premises and Land (Eviction and Rent Recovery) Act, 1972 (Act 24 of 1972)
3. The Haryana Ceiling on Land Holdings Act, 1972 (Act 26 of 1972)
4. The Punjab Land Revenue Act, 1887 (Act 17 of 1887)
5. The Punjab Tenancy Act, 1887 (Act 16 of 1887)
6. The Northern Indian Ferries Act, 1878 (Act 17 of 1878)
7. The Punjab Security of Land Tenures Act, 1953 (Act 10 of 1953) =50

PANCHAYATS

1. The Haryana Panchayati Raj Act, 1994 (Act 11 of 1994)
2. The Haryana Panchayati Raj Rules, 1995
3. The Haryana Panchayati Raj Election Rules, 1994
4. The Punjab Village Common Lands (Regulation) Act, 1961 (Act 18 of 1961) as amended and rules framed thereunder
5. The Haryana Cattle Fair Act, 1970 (Act 30 of 1970) as amended and rules framed thereunder
6. The Haryana Rural Development Funds Act, 1983 (Act 12 of 1983) =50

MISCELLANEOUS

1. The Haryana Punishment and Appeal Rules, 1987
2. The protection of Civil Rights Act, 1955 (Central Act 22 of 1955) with rules.
3. The Civil Procedure Code, 1908
4. The Code of Criminal Procedure 1973 =50
5. The Haryana Prevention of Defacement of Property Act 1989 (Act 11 of 1990) =150

NAVRAJ SANDHU,

Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Development and Panchayats Department.